सांध्य दैनिक

4PM

कठिन समय में भी अपने लक्ष्य को मत छोड़िए और विपत्ति को अवसर में बदलिए।
-धीरूभाई अंबानी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 97 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 11 मई, 2024

गिल-सुदर्शन के रनों के चक्र... 7 | अब चुनावी प्रचार में आया... 3 | सांसद कोई बने अमेठी से नहीं... 2

केजरीवाल के बाहर आते ही जोश में आया इंडिया गठबंधन

बीजेपी की बढ़ गई धड़कन

- आप संयोजक के स्वागत में कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न भाजपा बोली- 2 जून को करना है सरेंडर
- विपक्ष बोला- सत्य की जीत खुली मोदी सरकार की पोल
- हनुमान मंदिर में दिल्ली के सीएम ने पत्नी सुनीता संग की पूजा
- आज दिल्ली में करेंगे रोड शो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट से 1 जून तक अंतरिम जमानत पर बाहर आए सीएम अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को पत्नी सुनीता के साथ हनुमान मंदिर में पूजा किया। उनके साथ पंजाब के सीएम भगवंत मान भी थे। आज शाम को दिल्ली में रोड शो भी करेंगे। इससे पहले कल तिहाड़ से बाहर आने पर उनका आप कार्यकर्ताओं ने जमकर स्वागत किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि उन्हें न्यायिक प्रक्रिया पर पूरा विश्वास था। उन्होंने कहा वह निर्दोष उन्हें साजिश के तहत बदनाम करने के लिए सारे हथकंडे अपनाए गएं।

उधर उसके जमानत मिलने पर इंडिया गंठबंधन व उनके सहयोगी नेताओं ने कहा कि सत्य कभी भी दबाया नहीं जा सकता। आप संयोजक के आने से इंडिया गठबंधन और मजबूती से चुनाव में मोदी सरकार व बीजेपी को घेरेगा। वहीं बीजेपी ने कहा है आप को जश्न नही मनाना चाहिए क्योंकि उन्हें 2 जून को फिर सरंडर करना है। बता दे कि दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया अरविंद केजरीवाल को शुक्रवार (10 मई) को 50 दिनों की हिरासत के बाद अंतरिम जमानत मिली। अरविंद केजरीवाल ने पूजा के बाद प्रेस कांफ्रेंस की। उन्होंने कहा कि 50 दिनों तक जेल में रहने के बाद सीधे जनता के बीच आया हूं। अब मैं मोदी सरकार की तानाशाही के खिलाफ पूरे देश में दौरे करूंगा।

ये सत्य की एक और जीत है : अखिलेश

मा. सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत है, तानाशाही का अंत होगा, सत्यमेव जयते

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दिल्ली शराब घोटाले में मनी लॉड्रिंग के मामले की जांच का सामना कर रहे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने पर खुशी जताई है और इसे सत्य की एक और जीत कहा है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि दिल्ली के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी की जमानत सत्य की एक और जीत है। 'इंडिया गठबंधन' की शक्ति और एकजुटता भाजपा के दुख-दर्द देनेवाले राज से भारत की जनता को मुक्ति दिलवाने जा रही है। एकजुट होकर मतदान का संकल्प लें! दिल्ली के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी की जमानत सत्य की एक और जीत है। 'इंडिया गठबंधन' की शक्ति और एकजुटता भाजपा के दुख-दर्द देनेवाले राज से भारत की जनता को मुक्ति दिलवाने जा रही है।

केजरीवाल का मां ने किया तिलक

उन्होंने कहा कि आप लोगों के बीच में आकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैंने कहा था न कि जल्दी आऊंगा। मैं आ गया। मैं सबसे पहले भगवान हनुमान के चरणों में वंदना करना चाहता हूं। उनके आशीर्वाद से मैं आप सब लोगों के बीच में हूं। मैं दिल्ली समेत देशभर के करोड़ों लोगों का धन्यवाद करना चाहता हूं। देश के करोड़ों लोगों की दुआएं मेरे साथ हैं। देशभर के लोगों ने मुझे आशीर्वाद भेजा है। सुप्रीम कोर्ट का शुक्रि या करना चाहता हूं, जिसकी वजह से मैं आप सब के बीच हूं।

संजय सिंह ने गोद में उठाया पैर छूकर मां से लिया आशीर्वाद

सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुक्रवार शाम को तिहाड़ जेल से बाहर आ गए। उन्हें लेने के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल, कई मंत्री और सैकड़ों कार्यकर्ता तिहाड़ जेल पहुंचे। जोश से भरे कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर केजरीवाल का स्वागत किया। बाहर आते ही केजरीवाल ने कहा कि देश को तानाशाही से बचाना है। इस तानाशाही से बचाने के लिए देश के 140 करोड़ लोगों को मिलकर लड़ना पड़ेगा।

अब देश केजरीवाल का कमाल देखेगा : संजय सिंह

केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट द्वारा जमानत दिए जाने का आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने स्वागत किया है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत है। तानाशाही का अंत होगा। सत्यमेव जयते। उन्होंने कहा कि देश देखेगा केजरीवाल का कमाल। सत्य परेशान हो सकता है पराजित नही।

शीर्ष कोर्ट ने भारत को पाकिस्तान बनने से रोका : आतिशी

आप की नेता आतिशी ने निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी को परेशानी इस कारण है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने सीएम केजरीवाल को अंतरिम जमानत देकर इनकी साजिश का भंडाफोड़ कर दिया है, सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद है कि उसने भारत को पाकिस्तान बनने से रोक दिया है।

शरद पवार, ममता बनर्जी, उद्धव ने जताई खुशी

इंडिया ब्लॉक के कई नेताओं ने फैसले का स्वागत किया है और दिल्ली के सीएम को बधाई दी है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वालों में से थीं। उन्होंने कहा कि मुझे यह देखकर बहुत खुशी हुई कि अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत मिल गई है। यह मौजूदा चुनावों के संदर्भ में बहुत मददगार होगी। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने भी एक्स को संबोधित

किया और कहा कि अरविंद केजरीवालजी को देश में तानाशाही शासन के खिलाफ न्याय और राहत मिलना बदलाव की बयार का एक बड़ा संकेत है।सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक बड़ी राहत देते हुए अरविंद केजरीवाल को लोकसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए अंतरिम जमानत दे दी। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा कि कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में गिरफ्तार केजरीवाल को दो जून को आत्मसमर्पण करना होगा और वापस जेल जाना होगा। आम चुनाव का आखिरी चरण होगा 1 जून को आयोजित किया गया।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्वागतयोग्य : कांग्रेस

सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्वागत योग्य है। भाजपा ने उन्हें चुनाव के दौरान प्रचार करने से रोकने के लिए गिरफ्तार कराया था। जबकि कांग्रेस ने कभी भी विपक्षी दलों व नेताओं के खिलाफ बदले की भावना से काम नहीं किया है। कांग्रेस ने हमेशा ही विपक्षी नेताओं को उचित सम्मान दिया है, लेकिन पिछले 10 सालों से भाजपा ने सत्ता में आने के बाद राजनीति के स्वरूप को ही बदल दिया है।

सांसद कोई बने अमेठी से नहीं खत्म होगा रिश्ता : प्रियंका गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि अमेठी से हमारा रिश्ता पाक है। प्रेम का है। सेवा और शहादत का है। खून का रिश्ता है। यह कभी नहीं टूटेगा। कोई भी सांसद बने। कोई हमारे बारे में हजार झूठ बोल जाय। फिर भी यह रिश्ता नहीं टूटेगा। यह भूमि मेरे पिता की कर्मभूमि है। इसे मैं पूजती हूं। राहुल इसे पूंजते हैं। यह हमारे लिए पवित्र भूमि है। कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा के समर्थन में आयोजित कार्यकर्ता बैठक में करीब तीन घंटे की देरी से पहुंची प्रियंका गांधी हरेक मुद्दे पर बोली। सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि देश में झूठ की राजनीति फैली है। नौटंकी की राजनीति है। प्रधानमंत्री पर हमला बोलते हुए कहा कि वह यह नहीं बता सकते कि दस साल में कितने को रोजगार दिया। महंगाई कितनी कम किया। कितनी संस्थाएं खोली हैं।

बोलीं- देश में झूठ की राजनीति फैली है

कहा कि प्रधानमंत्री सिर्फ एक परिवार के खिलाफ दिन रात बोलते हैं। इंदिरा गांधी को देशद्रोही कहते हैं, जिन्होंने पाकिस्तान को तोड़कर बांग्लादेश बनाया। राजीव गांधी जैसे देशभक्त को देशद्रोही कहते हैं। प्रियंका ने इसके साथ ही सरकार पर हमला बोला। किसानों की समस्या को उठाया। कहा कि यह चुनाव लोकतंत्र की लड़ाई है।

हम 13 रुपये में चीनी और 15 लाख देने के झूठे वादे नहीं करते

रायबरेली के सलोन ब्लॉक के सूची चौराहे के पास कांग्रेस पार्टी प्रत्याशी केएल शर्मा के पक्ष में प्रियंका गांधी ने जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हम भगवान के नाम पर कसम नहीं दिलवाते कि आप हमें वोट दो। हम झूठे वादे नहीं करते कि 13 रूपये में चीनी देंगे, 15 लाख खाते में देंगे। युवाओं को रोजगार और किसानों की आय दुगुनी होगी। हमारी जहां सरकार है, वहां पर महिलाओं को मुफ्त में यात्रा सुविधा दी जा रही है। पहले राजनीति देश सेवा और समर्पण के लिए की जाती थी। आज विधायकों को खरीद कर की जा रही है। भाजपा के लोग ये बात नहीं करते कि मंहगाई कैसे कम करेंगे। रोजगार कैसे देंगे। वह गांवों में दुरदुरिया करके वोट के लिए कसम दिलाते हैं।

हमारे नहीं अपने बारे में सोचे कांग्रेस : ओवैसी

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी पर जमकर निशाना साधा। असदुद्दीन ओवैसी ने प्रियंका गांधी से पूछा कि आपका भाई अमेठी में चुनाव हारा, क्या वहां से मैं लड़ा? दरअसल हाल ही में प्रियंका गांधी ने रायबरेली में अपने भाई एवं कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी के पक्ष में प्रचार करते हुए ओवैसी पर आरोप लगाते हुए कहा था, असदुद्दीन ओवैसी जी सीधे तौर पर बीजेपी के साथ काम कर रहे हैं। तेलंगाना के चुनाव में यह बात बहुत स्पष्ट हो गई है। महाराष्ट्र में, आपने उद्धव ठाकरे के साथ गठबंधन किया है, क्या वह धर्मनिरपेक्ष हैं? यह वही शिवसेना है जिसके कार्यकर्ताओं ने 6 दिसंबर को बाबरी विध्वंस किया था मस्जिद, क्या आप उनके साथ हैं? औवैसी ने कहा आपने दिल्ली में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन किया है... वही आप जिसने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाने में बीजेपी की मदद की... और आप हमें बीजेपी बी-टीम कहते हैं? 2019 के चुनाव में आप 92 प्रतिशत सीटें हार गए, जिन पर आप बीजेपी के खिलाफ प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। इस बार आप 300 सीटों पर लड़ रहे हैं। मुझे बताएं, आपको क्या लगता है कि आप कितनी सीटें जीतेंगे?

भाजपा सत्ता में आई तो खत्म कर देगी संविधान : महबूबा

» बोलीं- गिरफ्तारी संस्कृति को रोकने के लिए सुरक्षा बलों को निर्देश दें राज्यपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीडीपी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि अगर बीजेपी केंद्र में दोबारा सत्ता में आई तो संविधान खत्म कर देगी। वह एक सार्वजनिक बैठक से इतर पत्रकारों से बात कर रही थीं। महबूबा ने आरोप लगाया कि भाजपा धार्मिक मामलों पर ध्यान केंद्रित कर रही है और मंगलसूत्र के बारे में बात कर रही है क्योंकि उन्हें देश में लोकसभा चुनाव के शुरुआती दो चरणों में नुकसान महसूस हो रहा है।

उन्होंने कहा कि लोग धार्मिक मुद्दों को उठाने के उनके इरादों से अवगत हैं और उन्होंने महसूस किया है कि पार्टी देश और इसके लोगों के लिए कुछ भी बेहतर नहीं करेगी। उन्होंने कहा किबीजेपी केवल हिंदू और मुसलमानों को एक-दूसरे से लड़ाना जानती है। फिर से ये लोग सरकार में आ गए तो संविधान को खत्म कर देंगे, महबूबा मुफ्ती ने बीजेपी पर लगाया हिंदू-मुस्लिम में विभाजन पैदा करने का आरोप लगाया । उन्होंने कहा कि अगर बीजेपी केंद्र में दोबारा सत्ता में आएगी तो वह संविधान को खत्म कर देगी। एक सवाल के जवाब में पीडीपी अध्यक्ष ने कहा कि अनंतनाग-राजौरी बेल्ट में हो रही मुठभेड़ों का मकसद महबूबा मुफ्ती को संसद और लोगों को वोट देने के लिए पहुंचने से रोकना है। महबूबा ने कहा कि पुंछ हमला निंदनीय है, लेकिन इसके बाद की गई गिरफ्तारियों पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को ध्यान देना चाहिए। जिन्हें इस गिरफ्तारी संस्कृति को रोकने के लिए सुरक्षा बलों को निर्देश देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन को राजनीतिक मामलों में तटस्थ रहना चाहिए और इसमें शामिल होने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा, पुलिस हमें लोगों तक पहुंचने से रोक रही है, लेकिन साथ ही वे भाजपा के समर्थित प्रतिनिधि हैं और इस तरह हमारे आंदोलन को रोक रहे हैं, जो ईसीआई द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों का खुला उल्लंघन है।

बेशर्म हैं पूर्व सीएम खट्टर : चंद्रमोहन

» कहा- भजनलाल पर की गई टिप्पणी अशोभनीय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फतेहाबाद (हरियाणा)। पूर्व उपमुख्यमंत्री चंद्रमोहन ने कहा कि मनोहर लाल को चौधरी भजनलाल पर की गई टिप्पणी पर शर्म आनी चाहिए। वह जिम्मेदार पद पर रहे हैं, ऐसी बातें उन्हें शोभा नहीं देती है। कहने को तो मैं भी बहुत कुछ बोल सकता हूं, उनके बारे में। मगर, मैं अध्यात्म से जुड़ा हुआ व्यक्ति हूं। मैं ऐसी अभद्र बातें बोलकर अपना मुंह और जनता के कान खराब नहीं करना चाहता।

उन्होंने फिर से दोहराया कि मेरे पिता चौधरी भजनलाल ने 14 साल सीएम रहकर पूरे इलाके की सेवा की। मैं भी 35 साल से राजनीति कर रहा हूं और पहली बार वोट मांग रहा हूं। पूरा विश्वास है कि यहां के मतदाता मुझे निराश नहीं करेंगे।कुमारी सैलजा को विधानसभा चुनाव से पहले ही

सीएम घोषित करने के सवाल पर चंद्रमोहन ने कहा कि मैं तो कई साल से कह रहा हूं कि कुमारी सैलजा सीएम बनेंगी। यह अपनी तरफ से नहीं, बल्कि जनता की आवाज सुनकर कह रहा हूं। बाकी फैसला तो हाईकमान और विधायक दल को करना है।

भाजपा को तो जनता घसीट कर उतारेगी

चंद्रमोहन ने कहा कि मौजूदा राजनीतिक हालातों में नैतिकता के आधार पर भाजपा सरकार को इस्तीफा दे देना चाहिए। मगर, भाजपा में नैतिकता नाम की चीज नहीं है। मुझे नहीं लगता कि ये इस्तीफा देंगे। इनको तो हरियाणा की जनता घसीट कर ही कुर्सी से उतारेगी। उनके और कुलदीप बिश्नोई दोनों के ही राजनीति में फिलहाल संघर्ष करने के संबंध में पूछे गए सवाल पर चंद्रमोहन ने कहा कि जीवन का नाम ही संघर्ष है। हर कोई संघर्ष करता है, बहुत जल्द अच्छा होगा। इस मौके पर पूर्व विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया, कुलबीर बैनीवाल, कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव विनीत पूनिया सहित कई नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पीएम मोदी ने तो चिराग के साथ अन्याय किया : तेजस्वी

» बोले- बीजेपी ने चाचा भतीजे में लड़ाई लगवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर से पीएम नरेंद्र मोदी पर हमला बोला है। चिराग पासवान द्वारा आरक्षण पर दिए गए बयान के सवाल पर तेजस्वी यादव ने कहा कि इस पर ज्यादा टीका-टिप्पणी करने की जरूरत नहीं है। चिराग पासवान खुद ही कहते थे कि वह संपन्न दलित हैं। उनको आरक्षण वापस लौटा देना चाहिए। पीएम मोदी ने तो चिराग पासवान के साथ अन्याय किया है।

उनके पिताजी की मूर्ति को फेंकवाया। उनके घर को खाली करवाया। उनके पार्टी को तुड़वाया। उनकी पार्टी सिंबल जो बांग्ला था, उसको छीनने का काम किया। घर में चाचा भतीजे में लड़ाई लगवाए फिर भी चिराग पासवान मोदी जी के हनुमान बने हुए हैं। कोई भी खुदगर्ज आदमी होता मोदी जी के साथ नहीं रहता। लेकिन, पता नहीं चिराग पासवान की अपनी सोच है। वह स्वतंत्र हैं किसी के साथ भी रहने के लिए।

नादान हैं चिराग, भटका रहे हैं लोग

तेजस्वी यादव ने कहा कि चिराग पासवान नादान हैं। इधर-उधर कोई भटका देता है तो भटक जाते हैं। मोदी जी हैं तो आरक्षण पर खतरा है। मोदी जी हैं तो लोकतंत्र और संविधान पर खतरा है। आंख बंद करके नहीं रहना चाहिए आंख खोल कर रहना चाहिए। भाजपा के नेता और सांसद बार-बार इस बात को कह रहे हैं 400 पार लाओ और हम संविधान को खत्म करेंगे।

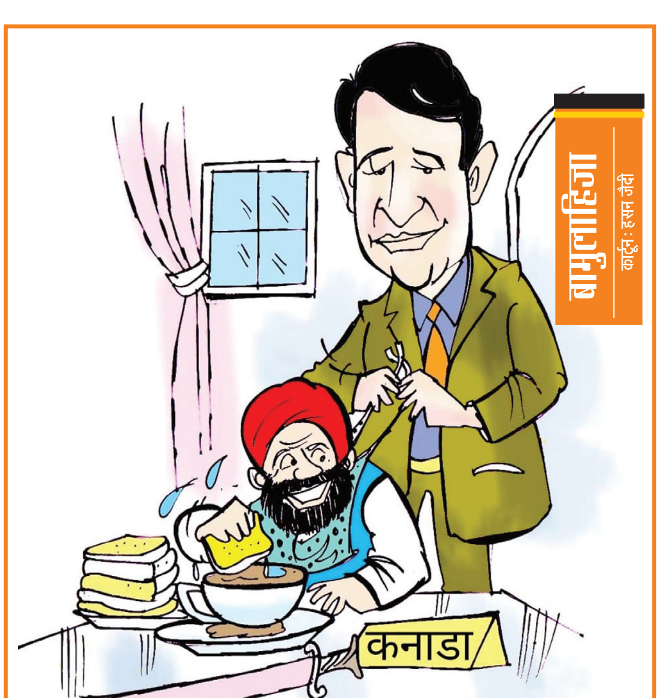

अय्यर व पित्रोदा राजनीति के जोकर : शिवराज सिंह चौहान

» बोले- डरपोक लोग इंडी गठबंधन में हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। लोकसभा चुनाव में नेताओं के बयान से कांग्रेस पार्टी की मुसीबत बढ़ती जा रही है। अब मणिशंकर अय्यर के बयान पूर्व सीएम शिवराज ने कांग्रेस पर निशाना साधा है।

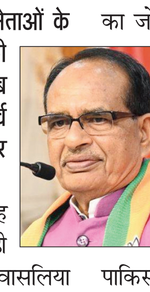

पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इंडी गठबंधन के नेता बौद्धिक दिवासलिया हो गए है। उन्होंने कहा कि मणिशंकर जी यह यूपीए की ढीली ढाली सरकार नहीं है। आज भारत के प्रधानमंत्री 56 इंच के सीने वाले है। हम किसी को छेड़ेंगे नहीं कोई छेड़ेगा तो छोड़ेंगे नहीं। पूर्व सीएम ने कहा कि यह डरपोक लोग इंडी गठबंधन में है। उन्होंने पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर, सैम पित्रोदा, संजय राऊत को राजनीति का जोकर बताते हुए कहा कि इनको कोई गंभीरता से नहीं लेता। पराजय के डर से उटपटांग बयान दे रहे हैं। जिसे जनता भी मनोरंजन के रूप में लेती है। बता दें पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा कि भारत को पाकिस्तान को इज्जत देनी चाहिए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि उसके पास भी परमाणु बम है। कोई सिरफिरा आया तो हम पर इसका इस्तेमाल कर सकता है। इसका वीडिया सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

अब चुनावी प्रचार में आया 'आबादी'

सत्ता पक्ष व विपक्ष में एक दूसरे पर सियासी वार

- » इंडिया गठबंधन ने पीएम सलाहकार परिषद की रिपोर्ट पर उठाए सवाल
- » रिपोर्ट में जिक्र है देश में मुस्लिम बढ़े व हिंदू घटे
- » नेता बोले- चुनावों के बीच में मोदी जी क्यों लाए रिपोर्ट
- » कांग्रेस बोली- इधर-उधर के मुद्दों से जनता को भटका रही बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे चुनावों के चरण आते जा रहें है वैसे-वैसे चुनावी प्रचार में नये-नये मुद्दे उछाले जा रहे हैं। मछली, श्मशान, हिंदू, मुसलमान, शंहशाह व शहजादा के बाद आबादी को लेकर नय सियासी संग्राम छिड़ गया है। दरअसल, पीएम की सलाहकार परिषद ने भारत की आबादी से संबंधित एक आंकड़ा जारी किया है जिसमें दावा किया है कि 1950 से लेकर 2015 तक देश में हिंदुओं की संख्या घटी है और मुस्लिमों की बढ़ी है। इस रिपोर्ट को लेकर सियासी भूचाल आ गया है। विपक्ष ने इस रिपोर्ट की टाइमिंग पर सवाल उठाया है।

इंडिया गठबंधन के कई नेताओं ने कहा कि जब चुनाव चल रहे तब इस तरह की रिपोर्ट लाना सरकार की मंशा पर संदेह पैदा करते हैं। कई नेताओं ने कहा कि बीजेपी को लग गया हे कि इसबार उसकी सत्ता में वापसी मुश्किल है इसलिए वह इस तरह के अनाप-शनाप काम कर रही है। वहीं कुछ नेताओं ने कहा है कि रिपोर्ट बनाने वाली कमेटी की चेयरमैन तमिलनाडु की राज्यपाल एन रवि की बेटी हैं। ऐसे में रिपोर्ट कैसी होगी आप समझ सकते हैं। प्रियंका गांधी, तेजस्वी से लेकर शिवपाल तक ने बीजेपी व पीएम मोदी को घेरना शुरू कर दिया है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) की रिपोर्ट में ये बात सामने आई है कि 1950 से 2015 के बीच भारत में बहुसंख्यक धर्म (हिंदुओं) की आबादी में 7.8प्रतिशत की तेज से गिरावट हुई है। इसके आलावा भारत के पड़ोसी देशों में बहुसंख्यक समुदाय की आबादी में वृद्धि दर्ज की गई है।

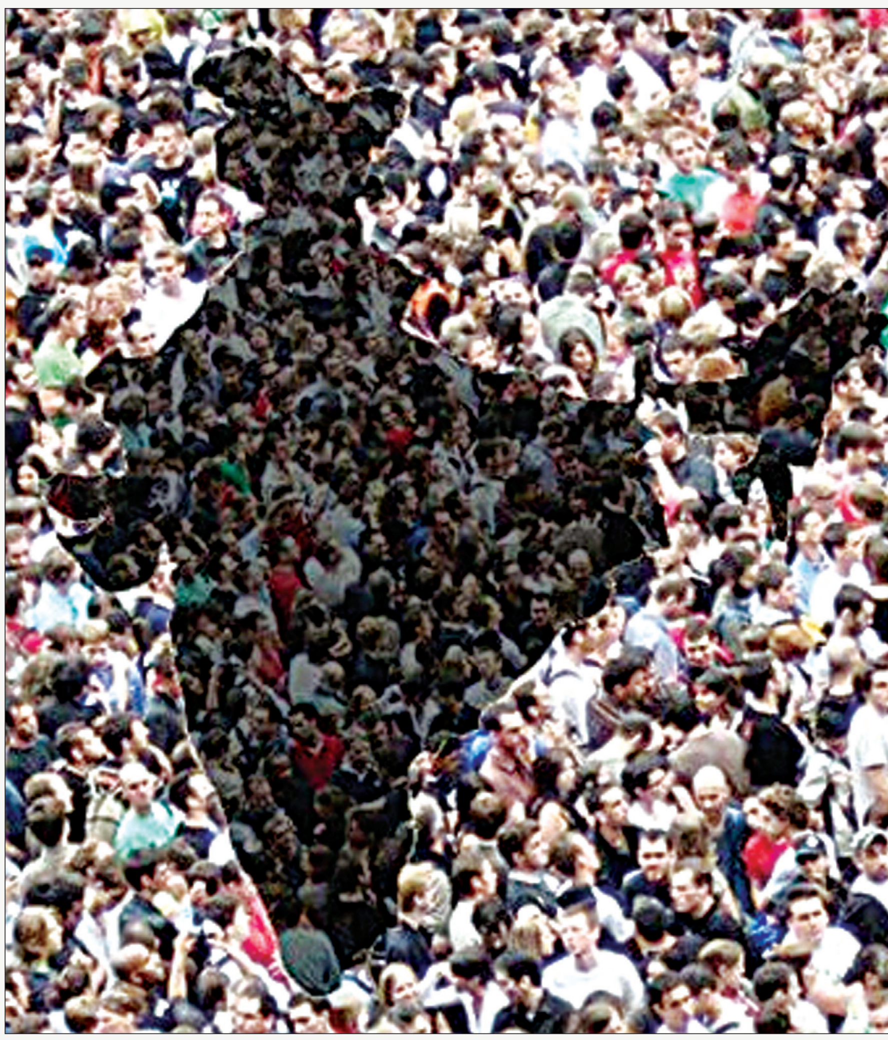

कांग्रेस नहीं रही है उद्योगपतियों के खिलाफ

प्रियंका गांधी ने कहा कि हमने हमेशा उद्योग को समर्थन किया है लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ कि 5-6 खरबपतियों ने देश की संपत्ति ले रखी है और बाकी जनता खाई में है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया है कि वो राहुल गांधी को जरूर रायबेरली से चुनाव जिताए। महिला आरक्षण को लेकर उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा,बड़े राजनीतिक दल कह रहे हैं कि वे महिलाओं को आरक्षण दे रहे हैं। पीएम मोदी ऐसा कह रहे हैं। हालांकि, यह सिर्फ चुनावी जुमला है। वे जिस आरक्षण की बात कर रहे हैं वह 10 साल तक लागू नहीं होगा। वे महिलाओं पर अत्याचार के बारे में बात नहीं कर रहे हैं, चाहे वह हाथरस, उन्नाव, कर्नाटक या मणिपुर में हो. महिलाओं के लिए उनके पास सिर्फ 5 किलो राशन है जो पर्याप्त नहीं है।

ममता बनर्जी ने कहा पैसे देकर बीजेपी झूठ फैला रही

बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि (इस) झूठ की साजिश बीजेपी ने रची और इसने कुछ लोगों को झूठ बोलने के लिए पैसे दिये। उन्होंने दावा किया कि क्या कभी किसी ने सोचा था कि बीजेपी इतनी गिर जाएगी कि संदेशखाली पर अफवाहें फैलाएगी? ऐसे घृणित आरोप लगाकर पश्चिम बंगाल की माताओं का अपमान न करें। हमारी पार्टी के खिलाफ झूठे आरोप लगाने के लिए पैसे की पेशकश करके राज्य की महिलाओं का अपमान करने का साहस मत करो। अनुशासनात्मक कार्रवाई करने में तत्पर सरकार बनर्जी ने आरोप लगाया कि वीडियो पर बीजेपी नेताओं की प्रतिक्रिया देखकर यह साफ था कि वे डरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि अगर तृणमूल कांग्रेस के नेताओं समेत किसी भी व्यक्ति ने कोई गलत काम किया है, तो पार्टी और राज्य सरकार हमेशा उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने में तत्पर रहती है, चाहे वे कितने भी प्रभावशाली क्यों न हों।

हिन्दू-मुस्लिम करने वालों पर हो कार्रवाई

बीजेपी नेत्री नवनीत राणा के 15 सेकेंड वाले बयान पर सपा सांसद एसटी हसन ने कहा कि वह उल्टे सीधे बयान देकर हिन्दू मुस्लिम करना चाहती हैं। उनके ऊपर कार्यवाही होनी चाहिए, जिस तरह अकबरुद्दीन ओवैसी को जेल जाना पड़ा था इन पर अभी तक कार्यवाही क्यों नहीं हुई। किसी के बाप में हिम्मत नहीं है कि यहां हिन्दू मुस्लिम भाइयों को एक दूसरे से अलग कर दे।

असदुद्दीन ओवैसी ने कांग्रेस पर साधा निशाना

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी पर जमकर निशाना साधा। असदुद्दीन ओवैसी ने प्रियंका गांधी से पूछा कि आपका भाई अमेठी में चुनाव हारा, क्या वहां से मैं लड़ा? दरअसल हाल ही में प्रियंका गांधी ने रायबरेली में अपने भाई एवं कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी के पक्ष में प्रचार करते हुए ओवैसी पर आरोप लगाते हुए कहा था, असदुद्दीन ओवैसी जी सीधे तौर पर बीजेपी के साथ काम कर रहे हैं। तेलंगाना के चुनाव में यह बात बहुत स्पष्ट हो गई है। महाराष्ट्र में, आपने उद्धव ठाकरे के साथ गठबंधन किया है, क्या वह धर्मनिरपेक्ष हैं? यह वही शिवसेना है जिसके

कार्यकर्ताओं ने 6 दिसंबर को बाबरी विध्वंस किया था मस्जिद, क्या आप उनके साथ हैं? ओवैसी ने कहा आपने दिल्ली में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन किया है... वही आप जिसने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाने में बीजेपी की मदद की... और आप हमें बीजेपी बी-टीम कहते हैं? 2019 के चुनाव में आप 92 प्रतिशत सीटें हार गए, जिन पर आप बीजेपी के खिलाफ प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। इस बार आप 300 सीटों पर लड़ रहे हैं। मुझे बताएं, आपको क्या लगता है कि आप कितनी सीटें जीतेंगे?

बीजेपी वाले फालतू के मुद्दे उछालते हैं : प्रियंका

प्रियंका गांधी ने पीएम परिषद की रिपोर्ट पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, यह लोग तो रोज-रोज कुछ नया बोलते हैं। अपने आप कोई नया मुद्दा उछाल देते हैं। मीडिया से आग्रह है कि आप लोग जनता से जुड़े मुद्दे उठाए। यह सवाल कहां से आया है? ऑफिस से आया है? ऑफिस से बोलो कि प्रियंका जी पूछ रही है कि किसने भेजा उन्हें? वहीं उन्होंने नवनीत राणा और ओवैसी पर निशाना साधते हुए कहा, ओवैसी बीजेपी के साथ काम कर रहे हैं। बाकी पार्टियों को पीछे रखने के लिए वो बीजेपी के साथ काम कर रहे हैं। मैं आपको बार-बार बता रही हूं। असदुद्दीन औवेसी सीधे तौर पर बीजेपी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। जहां भी भाजपा को अन्य दलों को पीछे धकेलने के लिए किसी को मैदान में उतारने की जरूरत है, वह ऐसा कर रहे हैं । तेलंगाना चुनाव में ये बात बिल्कुल साफ हो गई है अगर लोकसभा चुनाव महागठबंधन जीत हासिल कर लेता है तो कौन पीएम बनेगा? इस सवाल का जवाब देते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि चुनाव खत्म होने के बाद इस बात पर फैसला किया जाएगा। इससे पहले रायबरेली में चुनाव प्रचार के दौरान प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करीमगंज में दिए भाषण के बाद भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा था कि पीएम मोदी आज कहते हैं कि राहुल गांधी अडानी का नाम नहीं ले रहे हैं, लेकिन सच तो ये है कि वो हर दिन अडानी को लेकर बात करते हैं। वो रोज लोगों के बीच अडानी की सच्चाई को लेकर आते हैं।

पीएम सलाहकार परिषद की रिपोर्ट फर्जी : एसटी हसन

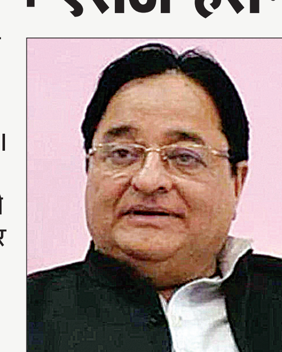

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से सपा सांसद डॉ एस टी हसन ने मुस्लिमो की आबादी बढ़ने वाली रिपोर्ट को फर्जी रिपोर्ट बताया है। रिपोर्ट को फर्जी बताते हुए एसटी हसन ने कहा कि यह आंकड़ों की शोबदागरी है। इस से बीजेपी और संघ चुनावी माहौल में हिन्दू मुस्लिम करना चाहता है। इस से हिंदुओं को डरा कर वोट लेना चाहते हैं, जबकि हकीकत यह है कि मुसलमानों की पैदावार दर कम हो रही है। प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी के अडाणी अंबानी पर कमेंट पर सपा सांसद ने कहा कि इंडिया गठबंधन की सरकार आ रही है और अब अडाणी अंबानी प्रधानमंत्री से खिसक रहे हैं। इसीलिए प्रधानमंत्री उन पर कमेंट कर अपनी पोल खोल रहे हैं, अगर विपक्ष पर टेम्पो भर कर नोट आए हैं तो उधर प्रधानमंत्री पर ट्रक भर कर नोट गए होंगे और पीएम मोदी आपने तो अडाणी के 16 लाख करोड़ रुपये माफ किए थे। वह पैसा कहां गया?

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

देर से ही सही पर इंसाफ हो ही गया!

"वीरेंद्र तावड़े को दाभोलकर हत्याकांड का मास्टर माइंड माना गया था। इस फैसले के बाद कह सकते हैं देर आए पर दुरुस्त आए। असल में विरेंद्र सिंह तावड़े उस समय सनातन संस्था के सहयोगी संगठन हिंदू जन जागृति समिति के उप मुख्य आयोजक थे। दाभोलकर के साथ उनका अंधविश्वास विरोधी अभियान को लेकर मतभेद था। उनको अब कोर्ट ने बरी कर दिया है।

देर से ही सही पर इंसाफ हो गया। आस्था और भक्ति बुरी चीज नहीं है पर अंधभक्ति के नाम पर अत्याचार करना उसको रोकने वाले मार डालना कहीं से भी अक्षम्य अपराध है। दरअसल आज से 11 साल पहले झाड़-फूंक के आड़ में भोले-भाले लोगों को बचाने के नरेंद्र दाभोलकर नाम के समाज सेवक ने संगठन बनाया था। उसके द्वारा वह लोगों में जागरूकता फैलाने को काम करते थे पर धर्म के ठेकदारों को यह बात अच्छी नहीं लगी और उन्होंने उनकी हत्या कर दी। उसी मामले में 11 साल बाद कोर्ट का फैसला आ गया है। पुणे की विषेश सीबीआई कोर्ट ने आरोपी सचिन अंदुरे और शरद कलस्कर को दोषी करार दे दिया है। अदालत ने दोनों को उम्रकैद की सजा सुनाई है, वहीं डॉक्टर विरेंद्र सिंह तावड़े विक्रम भावे और संजीव पुनालकेर को बरी कर दिया है, दाभोलकर हत्याकांड में कुल 5 आरोपी थे, जिनमें से दो को दोषी करार देते हुए तीन को बरी कर दिया गया है। वीरेंद्र तावड़े को दाभोलकर हत्याकांड का मास्टर माइंड माना गया था। इस फैसले के बाद कह सकते हैं देर आए पर दुरुस्त आए। असल में विरेंद्र सिंह तावड़े उस समय सनातन संस्था के सहयोगी संगठन हिंदू जन जागृति समिति के उप मुख्य आयोजक थे।

दाभोलकर के साथ उनका अंधविश्वास विरोधी अभियान को लेकर मतभेद था। उनको अब कोर्ट ने बरी कर दिया है। पुणे में दाभोलकर की हत्या के बाद फरवरी 2015 में गोविंद पानसरे और उसी साल अगस्त में कोल्हापुर में एमएम कलबुर्गी की गोली मारकर हत्या की गई थी। वहीं सितंबर 2017 में गौरी लंकेश की बेंगलुरु में उनके घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुणे पुलिस ने मामले की शुरुआत जांच की। उसके बाद बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश के बाद 2014 में सीबीआई ने जांच को अपने हाथ में ले लिया। इसी मामले में जून 2016 में हिंदू दक्षिणपंथी संगठन सनातन संस्था से जुड़े ईएनटी सर्जन डॉ. वीरेंद्र सिंह तावड़े को गिरफ्तार किया गया था। दाभोलकर की हत्या के पीछे की मुख्य वजह महाराष्ट्र अंधश्रद्धा उन्मूलन समिति और सनातन संस्था के बीच का टकराव रही। तावड़े और अन्य आरोपियों वाली सनातन संस्था दाभोलकर के संगठन, महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति (अंधविश्वास उन्मूलन समिति, महाराष्ट्र) के कामकाज का विरोध करती थी। आरोपी डॉ तावड़े 22 जनवरी 2013 को अपनी बाइक से पुणे गया था। इस बाइक का इस्तेमाल वह 2012 से ही कर रहा था। उसी बाइक पर बैठकर हत्यारों ने 20 अगस्त 2013 को डॉ नरेंद्र दाभोलकर पर गोलियां दागी थीं। घटना के बाद भी तावड़े बाइक का इस्तेमाल करता रहा। उसे पुणे के एक गैराज में ठीक भी करवाया गया था। बाद में इसी बाइक को लेकर वो कोल्हापुर भी गया, जहां 2015 में कॉमरेड पंसारे का मर्डर हुआ। अब इस फैसले से यह नजीर बनेगी कि अपराधी चाहे कितना ही चालाक हो वह कानून की नजर से बच नही सकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

'नोटा' को कांग्रेसी प्रत्याशी बनाने की कोशिश

हेमंत पाल

देश में इंदौर की अपनी अलग पहचान है। ये शहर लगातार सात बार देश में स्वच्छता में अव्वल रहा। शुद्ध हवा में इसने कीर्तिमान बनाया। स्मार्ट सिटी के कामकाज के मामले में भी इंदौर को देश में पहला नंबर मिला। पिछले लोकसभा चुनाव में इंदौर ने अपने एक उम्मीदवार को साढ़े पांच लाख से ज्यादा के अंतर से जिताकर संसद में भेजा था, यह भी अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इस बार के लोकसभा चुनाव में भी मध्यप्रदेश के मालवा अंचल का यह शहर खासी चर्चा में है। चर्चा इसलिए कि संसदीय सीट के कांग्रेस उम्मीदवार ने नामांकन पर्चा वापस लेने वाले दिन चुनाव से अपनी उम्मीदवारी वापस लेकर सबको चौंका दिया। ऐसी स्थिति में चुनाव पूरी तरह एक तरफा हो गया। यानी भाजपा के उम्मीदवार के सामने अब कोई मुकाबला करने वाला नहीं बचा।

चुनाव में किसी भी राजनीतिक दल के लिए यह स्थिति काफी पेचीदगी वाली होती है कि ऐन वक्त पर उसका उम्मीदवार मैदान छोड़ दे। न सिर्फ चुनाव से हट जाए, बल्कि नामांकन पर्चा वापस लेने के बाद प्रतिद्वंद्वी दल में शामिल हो जाए। इंदौर में कांग्रेस के साथ यही हुआ! नामांकन पत्रों की जांच के बाद जब सही पाए जाने वाले उम्मीदवारों के नाम घोषित हुए, तो संपत्ति ब्योरे के मुताबिक कांग्रेस के उम्मीदवार अक्षय बम को प्रदेश में सबसे ज्यादा अमीर कांग्रेसी उम्मीदवार माना गया। लेकिन कई हफ्तों तक चुनाव प्रचार के बाद वे अपनी ही पार्टी पर आरोप लगाकर मैदान से हट गए। ऐसी स्थिति में कांग्रेस के सामने कोई विकल्प नहीं बचा। जो निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, कांग्रेस ने उनमें से किसी को समर्थन देने के बजाय मतदाताओं से यह अपील की, कि वे अपना वोट 'नोटा' में डालें। ये संभवत: देश में अनोखा उदाहरण है, जब किसी राष्ट्रीय स्तर के राजनीतिक दल ने प्रतिद्वंद्वी पार्टी से मुकाबले के लिए 'नोटा' का सहारा लिया। कांग्रेस ने बाकायदा इस बात की घोषणा की है कि जो मतदाता इंदौर में हुए राजनीतिक घटनाक्रम से खुश नहीं हैं, वे 'नोटा' का बटन दबाकर अपना विरोध दर्ज कराएं।

दरअसल, कांग्रेस उम्मीदवार का चुनाव से पीछे हटना भाजपा का राजनीतिक हथकंडा समझा जा रहा है। बदले हालात में कांग्रेस के पास ऐसा कोई विकल्प भी नहीं था कि वो मुकाबले में उतर सके। तो उसने 'नोटा' को अपना राजनीतिक हथियार बना लिया। लेकिन, सवाल है कि क्या 'नोटा' का दबाने से कोई ऐसा नतीजा सामने आएगा जो नतीजे पलट दे? तो इसका जवाब 'नहीं' ही होगा। क्योंकि, 2013 में जब मतदाताओं को 'नोटा' का विकल्प देने का फैसला हुआ, तब यह भी स्पष्ट किया गया था कि 'नोटा' को कितने भी वोट मिल जाएं, पर इससे नतीजे प्रभावित नहीं होंगे। यानी 'नोटा' में जाने वाले वोट रद्द समझे जाएंगे। लेकिन, इससे चुनाव में 'नोटा' का विकल्प उपलब्ध कराने वाला भारत दुनिया का 14वां देश जरूर बन गया। यह बात सही है कि 'नोटा' के आंकड़ों से चुनाव नतीजे अप्रभावित रहते हैं, पर इससे उम्मीदवार की जीत पर सवालिया निशान जरूर लगता है। माना कि ईवीएम का यह बटन 'बिना दांत का शेर' है, पर इसकी गुर्राहट के चर्चे तो होते ही हैं। पिछले लोकसभा चुनाव (2019) में देशभर में 'नोटा' का बटन दबाने वाले मतदाताओं की संख्या 65,22,772 थी। अनूठी बात तो यह कि देश के करीब 20 राजनीतिक दलों के करीब तीन दर्जन उम्मीदवार ऐसे भी थे, जिन्हें 'नोटा' से कम वोट मिले, पर वे जीत का झंडा लेकर संसद में पहुंचे। 2013 में जब 'नोटा' का बटन अस्तित्व में आया, उसके बाद 2014 के लोकसभा चुनाव में पहली बार इसे प्रयोग किया गया। उस चुनाव में 60 लाख से अधिक मतदाताओं ने इसे चुना। सबसे ज्यादा 6 लाख बार 'नोटा' का बटन उत्तर प्रदेश के मतदाताओं ने दबाया। यहां 23 सीटें ऐसी थी, जहां हार-जीत के अंतर से ज्यादा वोट 'नोटा' को मिले। इसी लोकसभा चुनाव में बिहार में 5.80 लाख, गुजरात में 4.54 लाख, मध्य प्रदेश में 3.91 लाख, ओडिशा में 3.32 लाख, छत्तीसगढ़ में 2.24 लाख और झारखंड में 1.90 लाख वोट 'नोटा' खाते में गए।

अभी भले ही 'नोटा' को 'नख और दंतविहीन शेर' समझा जाता हो, पर तय है कि भविष्य में 'नोटा' की ताकत को बढ़ाया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट में इस आशय की याचिका भी दायर की गई है। अपील की गई है कि किसी निर्वाचन क्षेत्र में 'नोटा' को बहुमत मिलने पर उस निर्वाचन क्षेत्र का चुनाव शून्य घोषित कर नए सिरे से चुनाव कराए जाएं। कहा गया है कि 'नोटा' को 'काल्पनिक उम्मीदवार' के रूप में माना जाए। सुप्रीम कोर्ट ने भी चुनाव आयोग को इस बारे में नोटिस जारी किया है। कोर्ट इस याचिका पर विचार करने को सहमत हो गया है, जिसमें 'नोटा' में अधिक वोट पड़ने पर चुनाव आयोग को फिर चुनाव का नियम बनाने का निर्देश देने की मांग की गई।

युद्ध की विभीषिका में झुलसती मानवता

युद्ध की सबसे बड़ी कीमत चुका रहे हैं हमले में अभिभावकों को गंवा चुके फलस्तीनी बच्चे। दिन भर पंक्ति में खड़े रहने के बावजूद उन्हें दो वक्त का भोजन-पानी तक नसीब नहीं हो पाता। भोजन व आवश्यक चिकित्सीय सुविधाओं के अभाव में हजारों मासूम बच्चे कुपोषण का शिकार हो चुके हैं। युद्ध के दौरान जन्मे बच्चों की स्थिति तो और भी शोचनीय है।

दीपिका अरोड़ा

भोजन हमारे जीवन की आधारभूत आवश्यकता है, जिसके बिना जीने की कल्पना तक करना असंभव है। इस संदर्भ में संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक खाद्य संकट को लेकर जारी हालिया रिपोर्ट पर दृष्टिपात करें तो विगत वर्ष विश्व के 59 देशों में 28 करोड़ से अधिक लोगों को भूख का सामना करना पड़ा। फलस्तीन, दक्षिणी सूडान, यमन, सीरिया एवं हैती में भुखमरी की स्थिति बेहद गंभीर आंकी गई। रिपोर्ट के मुताबिक़, विगत 7 माह से युद्ध का सामना कर रहे गाजा में लगभग 11 लाख लोग भूख के पैमाने के पांचवें स्तर पर पहुंच गए। मई माह के दौरान यहां भुखमरी फैलने व जुलाई में अकाल जैसी परिस्थितियां उत्पन्न होने संबंधी आशंकाएं कुलबुलाने लगी हैं।

भुखमरी का प्रकोप बढ़ाने में यद्यपि प्राकृतिक आपदाओं, खाद्यान्न की बर्बादी आदि अन्यान्य कारणों का बड़ा हाथ रहता है तथापि उन युद्धजन्य दुष्प्रभावों को भी नहीं नकार सकते जो गरीबी व भुखमरी की बढ़ोतरी में मुख्य रूप से जिम्मेदार बनते हैं। जैसा कि सर्वविदित है, इस्राइल पर हमास के आतंकी हमले के प्रत्युत्तर में 7 अक्टूबर को इस्राइल द्वारा गाजा पट्टी पर भीषण बमबारी की गई। निरंतर चल रहे इस खूनी संघर्ष में 34 हजार से ज्यादा लोग मारे गए, 77 हजार से अधिक हताहत हुए, लाखों लोगों को विस्थापित होना पड़ा। मृतकों में सर्वाधिक, 14,500 बच्चे शामिल हैं। ख़बरों के अनुसार, इस्राइल अब दक्षिण में स्थित राफा शहर पर हमले की तैयारी में है, जो वर्तमान में 10 लाख से अधिक फलस्तीनियों की शरणस्थली बना हुआ है। धधकते शोलों का सामना करते गाजा के 23 लाख नागरिक प्रतिदिन भोजन अनुपलब्धता की समस्या से जूझ रहे हैं। ऑक्सफेम के मुताबिक़, हज़ारों लोग औसतन 245 कैलोरी पर जीवित हैं जबकि एक व्यक्ति को प्रतिदिन 1,600 से 3,000 कैलोरी चाहिए।

युद्ध की सबसे बड़ी कीमत चुका रहे हैं हमले में अभिभावकों को गंवा चुके फलस्तीनी बच्चे। दिन भर पंक्ति में खड़े रहने के बावजूद उन्हें दो वक्त का भोजन-पानी तक नसीब नहीं हो पाता। भोजन व आवश्यक चिकित्सीय सुविधाओं के अभाव में हजारों मासूम बच्चे कुपोषण का शिकार हो चुके हैं। युद्ध के दौरान जन्मे बच्चों की स्थिति तो और भी शोचनीय है। मीडिया की रिपोर्टानुसार, 17 अप्रैल तक गाजा के अस्पतालों में कुपोषण के कारण जान गंवाने वाले 12 साल से कम आयुवर्ग के बच्चों की संख्या 28 रही, जिनमें एक माह से कम उम्र के 12 बच्चे शामिल थे। अंतर्राष्ट्रीय शांति प्रयासों के बावजूद, इस्राइल-हमास के मध्य युद्धविराम पर समझौता संभव नहीं हो पाया। हालांकि हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान, हमास राजनेता खलील अल-हया द्वारा रखे गए संधि प्रस्ताव के दृष्टिगत संभावनाएं पनपी तो हैं। अल हया के मुताबिक़, अगर 1967 के पहले वाली सीमाओं के तहत स्वतंत्र फलस्तीन देश की स्थापना होती है तो न केवल हमास हथियार डाल देगा बल्कि खुद को मात्र एक राजनीतिक दल में बदल लेगा।

उन्होंने पांच वर्ष या उससे अधिक समय के लिए युद्धविराम पर राजी होने की बात भी कही। बयान पर इस्राइल या फलस्तीनी अथॉरिटी की कोई प्रतिक्रिया आने तक स्थिति संशयपूर्ण है चूंकि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा सुझाए दो राष्ट्रों वाले समाधान को इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पूर्व में नकार चुके हैं। मानवीय दृष्टिकोण से आतंकवाद का दमन करना नि:संदेह अत्यावश्यक है किंतु प्रतिशोध की भावना से निर्दोष लोगों को युद्ध की आग में झोंकना भी सर्वथा अमानवीय है। 6 महीनों के दौरान हुए भीषण नरसंहार के चलते विश्व के अनेक हिस्सों में इस्राइल के विरुद्ध रोष पनपने लगा है। विगत माह, 25 मार्च को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने प्रस्ताव पारित किया, जिसमें गाजा में 'तत्काल' युद्धविराम का आह्वान किया गया। अमेरिका के न्यूयार्क से लेकर कैलिफोर्निया तक विभिन्न विश्वविद्यालयों से छात्रों के आक्रोशित स्वर मुखर हो रहे हैं। युद्ध तबाही के अतिरिक्त कुछ नहीं; भले ही वह गृहयुद्ध हो अथवा दो देशों के मध्य व्याप्त हिंसात्मक संघर्ष। सूडान हो या सोमालिया लगातार गृहयुद्ध से जूझते अफ्रीकी देशों में लोग वर्षों से भूख व ग़रीबी के साए में जीने को विवश हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध हो या हमास-इस्राइल जंग, उर्वरक धरती को बंजर बनाने का खमियाजा समूचे विश्व को भुगतना पड़ता है।

विगत वर्ष 32 देशों में भूख से जूझते 3.60 करोड़ पांच वर्ष से कम आयुवर्ग के बच्चों में कुपोषण का स्तर गंभीरतम होना एवं ढाई करोड़ बच्चों का भोजन के अभाव में विभिन्न बीमारियों से ग्रसित होना मानवीय विफलताओं का द्योतक है। 'विकास' का दम भरने से पूर्व अन्य कारणों के निवारण सहित पृथ्वीलोक को युद्ध की विभीषिका से मुक्त करना होगा। सही अर्थों में हम सभ्य तभी बनेंगे जब जीवन में शांति-सद्भावना-अहिंसा का महत्व समझते हुए युद्धक परिस्थितियों का निर्भयतापूर्वक विरोध कर पाएंगे। भूख व संहार से बिलखती मानवता का करुण कंद्रन हमारी आंखों में ज्वार-भाटा बनकर न उतरे तो किसी भी स्तर पर हमें 'मानव' कहलाने का कोई अधिकार नहीं।

मदर्स डे का महत्व

मदर्स डे का महत्व मां के प्यार और बलिदान को पहचानना है। मां बच्चों के अच्छे भविष्य के लिए अनेकों बलिदान और अथक परिश्रम करती है परिवार को एकता और प्रेम के धागों से बांधती है यह विशेष दिन मां की शक्ति, बलिदान और अथक परिश्रम का सम्मान करने का एक तरीका है, जो कई चुनौतियों का सामना करती हैं और फिर भी अपने परिवार की भलाई को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में रूप में देखती है।

ऐसे हुई मदर्स डे की शुरुआत

मदर्स डे की उत्पत्ति प्राचीन ग्रीस में देखी जा सकती है, जहां उन्होंने देवताओं की मां रिया के सम्मान में एक त्योहार मनाया। 1600 के दशक में, इंग्लैंड ने लेंट के चौथे रविवार (ईस्टर रविवार से 21 दिन पहले) को मदरिंग संडे मनाया, जहां लोग अपने घर लौटते थे और अपनी मां के साथ चर्च जाते थे। इस दिन में माताओं को उपहार और फूल देना भी शामिल है। आधुनिक दौर में मदर्स डे का समर्थन एक अमेरिकी सामाजिक कार्यकर्ता एना जार्विस ने किया था। दरअसल, 1905 में अपनी मां की मृत्यु के बाद उन्होंने माताओं के सम्मान में नेशनल हॉलिडे की स्थापना के लिए अभियान चलाया। वह लोगों के लिए अपनी माताओं के प्रति प्यार और कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए एक दिन बनाना चाहती थीं। राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने 1914 में प्रत्येक मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे घोषित करने वाली एक उद्घोषणा पर हस्ताक्षर किए। तब से मदर्स डे को दुनिया भर के अलग-अलग देशों द्वारा अपनाया गया है।

मां ही होती है हमारी पहली शिक्षक

सालभर में कई दिन सेलिब्रेट किए जाते हैं। लेकिन मदर्स डे का दिन सबसे खास होता है। मां बनना इस दुनिया का एक खूबसूरत एहसास होता है। हर महिला अपनी लाइफ में मां बनने का सुख पाना चाहती है। मां के प्यार और त्याग को सराहना देने के लिए हर साल मदर्स डे मनाया जाता है। इस दिन का इंतजार बच्चे हमेशा करते हैं और मदर्स डे की शुरुआत होते ही वह मां को स्पेशल फील करवाने की कोशिश में जुट जाते हैं। इस साल में मदर्स डे 12 मई रविवार के दिन मनाया जाएगा। मातृ दिवस मातृत्व और परिवार के मूल्य को बढ़ावा देता है, यह हमें मां के प्रेम और उनके महत्व की याद दिलाता है। यह मां-बच्चों के संबंध को मजबूत करने का एक अवसर है, क्योंकि हम उन सब के लिए अपनी मां की प्रशंसा और आभार व्यक्त करते हैं जो हमारी मां हमारे लिए करती हैं। मां ही हमारी पहली शिक्षक, दोस्त और डॉक्टर होती है, जो बिना कुछ कहे ही हमारी सारी बातों को समझ सकती हैं।

क्यों मनाया जाता है मदर्स डे

मदर्स डे सेलिब्रेट करने का उद्देश्य माताओं के प्रति उनके निस्वार्थ प्रेम, समर्थन और बलिदान के लिए प्यार, प्रशंसा और कृतज्ञता व्यक्त करना है। दुनिया भर के कई देशों में इस दिन को मनाया जाता है, जिसमें आम तौर पर माताओं के प्रति स्नेह दिखाने के लिए फूल, कार्ड और मैसेज के साथ गिफ्ट देना शामिल है। यह परिवारों और समाज को समग्र रूप से आकार देने में माताओं द्वारा निभाई जाने वाली जरूरी भूमिका का जश्न मनाने और सम्मान करने का दिन है।

दें गिफ्ट

सिल्क की क्लासिक साड़ी कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होती। ऐसे में आप किसी अच्छी दुकान से मम्मी के लिए बेहतरीन सिल्क की साड़ी खरीदें। इस बात का ध्यान रखें कि मम्मी पर अच्छी लगने वाले रंग की ही साड़ी खरीदें। आप चाहें तो मैचिंग ज्वेलरी भी साथ में दे सकते हैं। हमेशा व्यस्त रहने वाली मांओं के लिए ये एक बेहतरीन तोहफा हो सकता है। वायरलेस ईयर बड की मदद से वे अपना फेवरेट गाना काम करते करते सुन सकती हैं या लोगों से बात भी कर सकती हैं। बढ़ती उम्र के साथ स्किन केयर के लिए अच्छे प्रोडक्ट का इस्तेमाल फायदेमंद होता है। ऐसे में आप मम्मी के लिए अच्छी ऑरगेनिक कंपनी का स्किन केयर किट दे सकते हैं। इसके अलावा उन्हें ब्यूटी प्रोडक्ट भी खरीदकर दे सकते हैं। क्योंकि मां ही हमें जीवन देती हैं, प्यार से हमारी देखभाल करती है हमारा पालन-पोषण करती है, सही और गलत में फर्क करना सिखाती है। जिससे हम अपने जीवन में ऊंचाइयों को छू सकें और अपने सपनों को पूरा कर सकें।

हंसना मना है

इंटरव्यू में एचआर -अच्छा, आपका नाम पप्पू है ? पप्पू-जी, इस गोले पर पप्पू ही नाम है मेरा... एचआर-बढ़िया, आपके लिए पहला सवाल है जावा के चार वर्जन क्या है, पप्पू-फुले न समाकर बोला-आपको तो पता ही होगा, एचआर-हां, पर मुझे आप से सुनना है...पप्पू-ये आपने अच्छी बात की है और मुझे गाने का भी शौक है... इंटरव्यूर-मतलब, पप्पू-मर जावा, मिट जावा, लूट जावा और सदके जावा... इतना सुनते ही एचआर बोला- बहुत बढ़िया अब आप सीधे घर जावा...

गिरा दूंगा हर वो दीवार जो...तेरे मेरे बीच में आएगी...क्योंकि मेरा एक दोस्त... जेसीबी चलाता है...!!!

छात्र (भगवान से)-हजारों की किस्मत तेरे हाथ है, अगर पास करदे तो क्या बात है!

वकील- हत्या की रात तुम्हारे पति के अंतिम शब्द? पत्नी- मेरा चश्मा कहां है संगीता? वकील- तो इसमें मारने वाली क्या बात थी? पत्नी- मेरा नाम रंजना है, पूरा कोर्ट खामोश।

सरदार दुखी था। किसी ने पुछा- क्यों टेंशन मे हो? सरदार- यार एक दोस्त को प्लास्टिक सर्जरी के लिए 2 लाख दिए, अब साले को पहचान नहीं पा रहा हूं।

कहानी | श्री गणेश और देवता कुबेर

कुबेर धन और वैभव के देवता हैं। माना जाता है कि उनके पास ढेर सारा धन है और यह आपने सुना ही होगा कि जरूरत से अधिक पैसा व्यक्ति को अंधा बना देता है। बिलकुल ऐसा ही कुछ धन के देवता कुबेर के साथ भी हुआ। उन्हें लगने लगा कि तीनों लोकों में सबसे ज्यादा धन उन्हीं के पास है और उन्हें इस बात पर घमंड होने लगा। एक दिन अपने धन का दिखावा करने के लिए धन के देवता कुबेर ने महाभोज का आयोजन किया। इस महाभोज में उन्होंने सभी देवतागण को बुलाया। कार्यक्रम का न्योता लेकर वो कैलाश पर्वत पर भगवान शिव के पास भी गए और उन्हें विशेष अतिथि के रूप में आने का न्योता दिया। भगवान शिव ने एक बार में कुबेर के घमंड को भांप लिया और फिर सोचा कि इसे सही पाठ पढ़ाना जरूरी है। यह सोचकर उन्होंने कुबेर से कहा, कुबेर, हमें तुम्हारा न्योता स्वीकार है, लेकिन किसी जरूरी काम के कारण हम महाभोज में नहीं आ पाएंगे, किंतु तुम चिंता न करो। हमारी जगह, हमारा पुत्र गणेश तुम्हारे कार्यक्रम में जरूर आएगा। भगवान शिव की बात सुनकर कुबेर खुशी-खुशी वहां से चले गए। महाभोज का दिन आ गया। सभी देवतागण कुबेर के घर पधारने लगे। भगवान श्री गणेश भी समय से कार्यक्रम में पहुंच गए। जैसे ही भोजन शुरू हुआ, भगवान गणेश ने सारा भोजन खत्म कर दिया। जब कुबेर ने बाकी मेहमानों के लिए फिर से भोजन बनवाया, तो गणपति ने फिर से सारा भोजन खा लिया। भगवान गणेश कुबेर की रसोई में रखा सारा खाना खत्म करते जा रहे थे, लेकिन उनकी भूख शांत ही नहीं हो रही थी। धीरे-धीरे करके कुबेर के पास मौजूद सभी खाने की चीजें खत्म हो गईं, तो उन्होंने भगवान गणेश से कहा, प्रभु और खाना आने में समय लगेगा। तब तक आप बैठ जाइए। इस पर भगवान गणेश ने कहा, अगर तुमने मुझे अभी भोजन नहीं दिया, तो मैं तुम्हारे महल में रखी हर चीज खा जाऊंगा। यह सुनते ही कुबेर घबरा गए और उन्हें अपनी गलती का एहसास हो गया। वो तुरंत भगवान गणेश के पैरों में गिर गए और उनसे माफी मांग ली।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष: भागदौड़ अधिक रहेगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। मेहनत अधिक होगी। लाभ में कमी रह सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

तुला: सामाजिक कार्य करने में मन लगेगा। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं।

वृषभ: मान-सम्मान मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

वृश्चिक: चोट व रोग से कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

मिथुन: पुरानी संगी-साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। आत्मसम्मान बना रहेगा।

धनु: चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है।

कर्क: बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा।

मकर: यात्रा लाभदायक रहेगी। राजकीय सहयोग मिलेगा। सरकारी कामों में सहूलियत होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर में सुख-शांति रहेंगे। झंझटों में न पड़ें।

सिंह: दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। फालतू खर्च पर नियंत्रण नहीं रहेगा। हल्की मजाक करने से बचें। अपेक्षित काम में विलंब होगा। बेकार की बातों पर ध्यान न दें।

कुम्भ: ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं।

कन्या: यात्रा लाभदायक रहेगी। संतान पक्ष से बुरी खबर मिल सकती है। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी।

मीन: पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। आनंद के साथ समय व्यतीत होगा। मनपसंद व्यंजनों का लाभ मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा।

बॉलीवुड | मन की बात

डीपफेक के खिलाफ बनना चाहिए सख्त कानून : राव

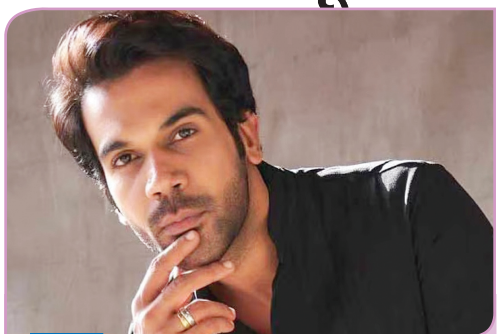

इन दिनों कई सितारे डीपफेक वीडियोज के शिकार हो रहे हैं। ऐसे में एआई के गलत इस्तेमाल को लेकर भी काफी बहस छिड़ी हुई है। अब बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव भी इस बहस में शामिल हो गए हैं। बता दें कि पिछले ही दिनों रश्मिका मंदाना, आमिर खान, रणवीर सिंह और आलिया भट्ट जैसे कलाकारों के कई कई डीपफेक वीडियोज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए। हालांकि, बाद में इसे लेकर लोगों ने खूब आलोचनाएं भी की। वहीं, अब राजकुमार राव ने कहा है कि इसके लिए कड़े कानून बनने चाहिए। राजकुमार इन दिनों अपनी अगली फिल्म श्रीकांत के प्रमोशन में काफी व्यस्त चल रहे हैं। इसी दौरान एक इवेंट के मौके पर एक्टर ने कहा कि एआई का गलत इस्तेमाल किए जाने के सख्त नियम बनाए जाने चाहिए। लोगों को पता होना चाहिए कि कैसे इसका इस्तेमाल किया जाए। एक्टर का कहना है कि देश में बहुत कम ही ऐसे लोग हैं, जिन्हें यह पता है कि एआई के बारे में जानकारी होगी। उन्होंने आगे कहा कि अगर कोई भी शख्स इसका गलत इस्तेमाल करता है तो उस पर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके अलावा राजकुमार ने फिल्म श्रीकांत को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, मैं यह जानकर बहुत प्रभावित हुआ कि एक दृष्टिहीन शख्स ने इतनी कम उम्र में अपनी जिंदगी में इतना सबकुछ हासिल किया है। इसलिए मुझे ऐसा महसूस हुआ कि यह कहानी जरूर दुनियाभर के लोगों के सामने आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि श्रीकांत का किरदार हर किसी को प्रेरणा देता है। राजकुमार ने बताया कि उन्होंने खुद को दृष्टिबाधित बिजनेसमैन श्रीकांत के रोल में ढालने के लिए बहुत मेहनत की है। उनका कहना है कि उन्होंने पहले कभी किसी दृष्टिबाधित का किरदार नहीं निभाया था, इसलिए उन्हें इस भूमिका के लिए ब्लाइंड स्कूल जाना पड़ा।

टीवी की दुनिया में कदम रखने जा रहीं कृष्णा श्रॉफ

रोहित शेट्टी की होस्टिंग वाला स्टंट बेस्ड रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 14 जल्द ही दर्शकों के बीच पेश होने जा रहा है। ऐसे में शो में खतरों का सामने करने वाले कई कंटेस्टेंट्स के नाम भी सामने आने लगे हैं। अब कहा जा रहा है कि इस शो के साथ बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा श्रॉफ टीवी की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। वहीं, उनके साथ बिग बॉस 13 फेम आसिम रियाज इस बार शो का हिस्सा बने नजर आएंगे।

बता दें कि बॉलीवुड एक्टर जैकी श्रॉफ की बेटी कृष्णा फिटनेस फ्रीक हैं। अपनी फिटनेस के लिए वह सोशल मीडिया पर काफी मशहूर हैं। इसके अलावा वह एमएमए मैट्रिक्स फिटनेस सेंटर की मालकिन हैं। खतरों के खिलाड़ी 14 में अपनी एंट्री पर मुहर लगाते हुए हाल ही में कृष्णा ने कहा, मैं इस मौके के लिए बहुत आभारी हूं कि मुझे कुछ यूनीक एक्सपीरियंस करने को मिलेगा। मुझे खुद को चुनौती देना पसंद है, इसलिए यह देखने से बेहतर और क्या हो सकता है कि मैं खतरों के खिलाड़ी में अपनी यात्रा के दौरान खुद को फिजिकली और मेंटलिटी कितना आगे बढ़ाने में सक्षम हूं।

दूसरी ओर एक्टर, मॉडल और फिटनेस फ्रीक आसिम ने भी अपनी एंट्री पर आधिकारिक पुष्टि कर दी है। उन्होंने कहा, मैं खतरों के खिलाड़ी 14 में चुनौतियों पर काबू पाने और अपनी सीमाओं को परखने को लेकर रोमांचित हूं। यह शो कंटेस्टेंट्स को साहसी बनाता है और मुझे यकीन है कि मैं बहुत कुछ सीखूंगा। मैं अपने फैंस को यह दिखाने के लिए इंतजार नहीं कर सकता कि मैं वास्तव में क्या कर सकता हूं। आसिम ने आगे कहा, फैंस ने मुझे बिना शर्त प्यार दिया है और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में मेरी पूरी यात्रा के दौरान मेरे लिए खड़े रहे। खतरों के खिलाड़ी 14 में मेरा रोमांच पूरी तरह से मेरे फैंस को गौरवान्वित करने वाला होगा।

कई नाम आ रहे हैं सामने

गौरतलब है कि खतरों के खिलाड़ी का 13वां सीजन अक्टूबर 2023 में समाप्त हुआ था, जिसमें रैपर डिनो जेम्स विजेता बने। इस शो को फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी ने होस्ट किया था। अब शो के अगले सीजन के लिए दर्शक अभी से बहुत बेताब नजर आ रहे हैं। फिलहाल शो में और कौन-कौन नजर आने वाले इसे लेकर आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की गई है। हालांकि, इसके लिए निम्रत कौन अहलूवालिया और अभिषेक कुमार जैसे सितारों के नाम भी सामने आ रहे हैं।

खौफनाक अंदाज में कुकर्मियों का विनाश करने आए मनोज बाजपेयी

मनोज बाजपेयी काफी समय से अपनी 100वीं फिल्म भैया जी को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। पिछले ही दिनों फिल्म का टीजर जारी कर इसके लिए उत्सुकता को बढ़ा दिया गया था। हालांकि, अब मेकर्स ने गुरुवार को फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर इस बेसब्री को दोगुना कर दिया है। एक्शन-थ्रिलर से भरपूर भैया जी में मनोज का एक अलग अंदाज देखने को मिल रहा है। यहां वह जबरदस्त एक्शन करते हुए दिखाई दे रहे हैं। चलिए जानते हैं कैसा है फिल्म का ट्रेलर।

ट्रेलर की शुरुआत में दिखाया जा रहा है कि एक पावरफुल शख्स दूसरे आदमी से बार-बार पूछ रहा है कि भैया जी कौन है। इसके बाद वह शख्स बताता है, पॉलिटिक्स की बात करें को सत्ता पक्ष को विपक्ष और विपक्ष को सत्ता पक्ष करने के मास्टरमाइंड भैया जी। उनके फावड़े ने हजारों कुकर्मियों को संसार से मुक्त किया है। एक समय था, जब कुकर्मी मात्र उनकी कहानियां सुनकर कुकर्म त्याग देता था। इसी बीच एंट्री होती है भैया जी यानि मनोज बाजपेयी की, जो अपने ताबड़तोड़ एक्शन से हैरान करते हुए नजर आ रहा है। ट्रेलर में साफ देखा जा सकता है कि गुंडों में भैया जी का बहुत खौफ रहता है।

ट्रेलर बेशक बहुत दमदार है और मनोज बाजपेयी का एक अलग ही अंदाज दिखाई दे रहे है, लेकिन इसे देखकर कई जगहों पर आपको दक्षिण भारतीय फिल्मों के एक्शन की झलक और सलमान खान जैसी हीरोगिरी वाला एक्शन भी महसूस हो सकता है। हालांकि, मनोज के चाहने वालों को उनका ये अंदाज भी पसंद आ रहा है।

गौरतलब है कि अपूर्व सिंह कार्की के निर्देशन में बनी भैया जी को विनोद भानुशाली, शैल ओस्वाल, शबाना रजा वाजपेयी, समीशा ओस्वाल, कमलेश भानुशाली और विक्रम खक्कर निर्माता के तौर पर फिल्म के साथ जुड़े हैं। इसमें मनोज बाजपेयी के अलावा जतिन गोस्वामी, जोया हुसैन, सुविंदर विक्की और विपिन शर्मा भी अहम किरदारों में देखा जाने वाला है। फिल्म 24 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

अजब-गजब | सरकार ने दे रखी है खुली छूट!

यहां हर साल खेली जाती है खून की होली

मछली मारना कोई वहशी काम नहीं माना जाता है। लेकिन जापान में डॉल्फिन का शिकार कर एक क्रूरता का खेल दिखाई देता है। जापान के ताईजी में क्रूर डॉल्फिन शिकार के मौसम के दौरान हजारों डॉल्फिन को निर्दयतापूर्वक मार दिया जाता है या समुद्री पार्कों में ले जाया जाता है। कई तरीके से दावे किए जाते हैं कि इससे समुद्र का रंग पूरी तरह से लाल हो जाता है। अजीब बात यह है कि इसके बिलकुल भी काबू में नहीं किया जा सकता है क्योंकि सरकार ने छह महीने के लिए इसकी अनुमति देती है। जापानी मत्स्य पालन एजेंसी मछुआरों को हर साल लगभग 16000 समुद्री स्तनधारियों को मारने या छीनने की मंजूरी देती है।

यह गंभीर तमाशा इस महीने की शुरुआत में तटीय शहर में शुरू हुआ है। मिरर की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका स्थित चैरिटी डॉल्फिन प्रोजेक्ट का कहना है कि इन मछुआरों ने अपने काम को एक बेहतरीन कला के रूप में पेश किया है, कुछ दिनों में उन्हें 100 से अधिक डॉल्फिन बैग में ले जाते हुए देखा गया है।

इसकी आलोचना करते हुए, डॉल्फिन प्रोजेक्ट के एक प्रवक्ता ने बताया कि यह कैसे काम करता है, जब एक समूह मिलता, तो मछुआरे अपनी नावों के नीचे स्टेनलेस स्टील के खंभों को पानी में डालते हैं। शिकारियों के खंभों पर हथौड़ों से बार-बार प्रहार करने पर उत्पन्न होने वाली ध्वनि को बढ़ा देता है। शोर पानी के भीतर ध्वनि की एक दीवार बनाता है, और डॉल्फिन खुद को ध्वनि की इस दीवार और तटरेखा के बीच फंसा हुआ पाते हैं। ध्वनि से बचने की कोशिश में, डॉल्फिन विपरीत दिशा में, किनारे की ओर तैरती हैं। मछुआरे उन्हें ताईजी बंदरगाह के पास एक छोटी खाड़ी में ले जा सकते हैं। इस प्रक्रिया में कई घंटे लग सकते हैं, जिसके दौरान डॉल्फिन थक जाती हैं। मछुआरे ब्लोहोल्स के ठीक पीछे डॉल्फिन की गर्दन में एक तेज धातु की कील ठोक देते हैं, जिससे रीढ़ की हड्डी टूट जाती है और तत्काल मौत हो जाती है। जापान को इस साल की शुरुआत में अपनी व्यावसायिक व्हेलिंग गतिविधियों को फिर से शुरू करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा, जिससे वैश्विक स्तर पर भी ऐसी ही प्रतिक्रिया हुई थी। वहीं इन दावों को खारिज भी किया जाता है। दलील दी जाती की वास्त में डॉल्फिन का शिकार इतना अमानवीय नहीं है जितना पेश किया जा रहा है।

अनोखा गांव जहां टॉयलेट तो हैं, परंतु सीवर ट्रीटमेंट के लिए गड्ढे खोदना है मनाही

भारत सरकार ने सीमा से लगे गांवों को विकसित करने के लिए वाइब्रेंट विलेज योजना शुरू की है। गौरतलब है की उत्तराखंड की कुल 658 किलोमीटर सीमा चीन और नेपाल से लगी है। उत्तराखंड के 3 जिलों पिथौरागढ़, चमोली और उत्तरकाशी के 5 विकासखंड मुनस्यारी, धारचूला, कनालीछीना, जोशीमठ और भटवाड़ी के 51 गांव वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम में शामिल किए गए हैं। इन गांवों में पिथौरागढ़ का गुंजी गांव भी शामिल है।

गुंजी गांव पर शिवधाम बनाया जाना प्रस्तावित है। गुंजी गांव कभी चीन से व्यापार की मंडी हुआ करता था और कैलाश मानसरोवर यात्रा का अहम पड़ाव भी है। यहीं से होकर आदि कैलाश और ? पर्वत पहुंचा जाता है। इस क्षेत्र में अब पर्यटन काफी तेजी से बढ़ रहा है। ऐसा अनुमान है की उत्तराखंड में शिवधाम बन जाने के बाद तो यहां काफी पर्यटक पहुंचेंगे। जिसको देखते हुए यहां के स्थानीय लोग अभी से सारी व्यवस्थाएं सही करने की मांग कर रहे हैं। जिसमें सबसे पहले सीवर ट्रीटमेंट प्लांट की मांग की जा रही है। गुंजी गांव में पर्यटन साल दर साल दोगुनी रफ्तार से बढ़ते जा रहा है। हालांकि यहां के लोगों ने शौचालय तो बना रखे हैं लेकिन सीवर को खाली करना उनके लिए सरदर्दी भी बन रहा है। ना ही उनके पास इतनी जमीन है को वह दूसरी जगह शिफ्ट करते जाए, साथ ही एक वजह ये भी है की यहां के लोग इस भूमि को पवित्र मानते हैं। ऐसे में भविष्य में पर्यटन की संभावनाओं को देखते हुए ग्रामीणों ने यहां सीवर को गंदगी को गांव से दूर निकासी करने की मांग जिलाधिकारी से की है। जिला मुख्यालय पहुंचे गुंजी गांव के ग्रामीणों ने बताया कि उनकी जमीनें रोड के निर्माण में चली गई है। कई ग्रामीणों के नाम अभी तक जमीन नहीं हुई है। जबकि वह कई पुश्तों से यहां रहते हुए आए हैं। जिलाधिकारी को अपनी समस्याएं बताते हुए उन्होंने कहा कि जिन लोगों की जमीन नाप में नहीं है उन्हें उसका मालिकाना हक दिलाया जाए ताकि वह लोग भी भविष्य में पर्यटन कारोबार से जुड़कर अपना रोजगार शुरू कर सकें।

मोदी को संसद और संविधान से कुछ लेना-देना नहीं : राहुल

» पीएम से डिबेट को तैयार, लखनऊ में बीजेपी पर बरसे कांग्रेस नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी पीएम नहीं 21वीं सदी के राजा हैं। उन्हें संसद, कैबिनेट और संविधान से लेना-देना नहीं है। उनके कुछ फाइनेंसर हैं, असली ताकत उनके पास है। बहुत सारे अनपढ़ राजा भी जनता की बात सुन लेते थे। किंतु पीएम लोगों की बात नहीं सुनते हैं। पब्लिक सेक्टर, न्यायपालिका, मीडिया, सेना में दलित-पिछड़ों के रास्ते बंद हैं। उनके सारे नेता कह रहे हैं कि आरक्षण को खत्म कर देंगे। मैं कहता हूं कभी नहीं कर सकते हैं। वहीं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि मैं तो कहता हूं कि जातीय जनगणना करा लीजिए, यह पता तो लगे देश में कितने पिछड़े, दलित और आदिवासी आदि हैं।

देश के करोड़ों लोगों की सच्चाई सामने आनी चाहिए। पीएम देश को सुपर पावर बनाने की बात करते हैं, बिना 90 फीसदी लोगों के बिना। क्या 10 फीसदी आबादी से सुपर पावर बनाएंगे? राहुल बोले, पीएम कहते हैं कि संविधान को खत्म नहीं करेंगे। सीबीआई-ईडी का राजनीतिक प्रयोग करना, लोकतंत्र पर अक्रमण करना, सभी संस्थाओं में आरएसएस के लोगों को रखना, नोटबंदी कर करोड़ों की जिंदगी बर्बाद करना, सेना में अग्निवीर योजना लागू करना यही संविधान पर हमला और उसको खत्म करना है। लखनऊ में को समृद्ध भारत फाउंडेशन की ओर

से आयोजित कार्यक्रम में राहुल ने कहा कि राजनीति में दो तरह के लोग होते हैं। एक, जो सुबह से शाम तक सत्ता के लिए दौड़ते हैं। सच्चाई नहीं स्वीकार करते हैं। दूसरे वे लोग होते हैं जो सच्चाई सामने दिख रही है उसको स्वीकार करते हैं। आंबेडकर, गांधी, बुद्ध, पेरियार ने यही किया। राहुल गांधी ने कहा कि पैदा होने से पहले आपका भविष्य तय हो जाता था। आपकी योग्यता, क्षमता, काम को नहीं देखा जाता था। हिंदुस्तान के लोगों को छोटे-छोटे खांचे में बांट दिया जाता था।

राजनीति मेरे लिए नशा नहीं

राहुल ने इस दौरान इमोशनल कार्ड भी खेला। उन्होंने कहा कि एक नेता सुबह उठकर सिर्फ यह सोचता है कि सत्ता कैसे मिलेगी। मेरी उसमें रुचि नहीं है। मेरे लिए राजनीति जनता की मदद करने का औजार है। राजनीति मेरे लिए नशा नहीं है। मैंने अपने दादा-पिता की लाश देखी है। कोई नेता सुबह उठकर सूट-बूट पहनकर, वीडियो बनाता है। मैं स्पष्ट हूं कि मुझे 90 फीसदी लोगों को भागीदारी दिलानी है। उन्होंने खुद को ईडी द्वारा पूछताछ के लिए बुलाए जाने पर कहा कि मैं वहां गया था ताकि यह देख सकूं कि लोकतंत्र की हत्या कौन कर रहा है। मैं सोच रहा था कि मेरे परदादा ऐसी सेल में 12 साल रहे थे तो मुझे भी 10 साल रहना चाहिए।

संविधान से समाज में आई समानता

सम्मेलन की अध्यक्षता सामाजिक चेतना फाउंडेशन न्यास के संस्थापक इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायधीश वीरेंद्र सिंह यादव ने किया। संविधान हमारी समानता और समता को सुनिश्चित करता है। पहले सत्र में आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस वंगाला ईश्वर्या ने कहा कि अगर आज संविधान न होता तो ओबीसी, एससी-एसटी और अल्पसंख्यक को उनके हक और अधिकारों को कभी न दिया जाता।

अशांति फैलाने की ताक में हैं प्रधानमंत्री : खरगे

» कहा- तीन चरणों के मतदान से मोदी और शाह चिंतित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

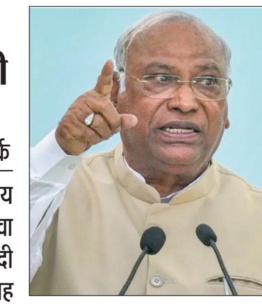

हैदराबाद। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तीसरे चरण के बाद से चिंतित थे। खरगे ने आगे कहा कि चिंता के कारण वे गैर-चुनावी मुद्दों पर बात कर रहे थे और कांग्रेस को गाली दे रहे थे। उन्होंने पीएम मोदी पर अशांति फैलाने का भी आरोप लगाया है। राहुल गांधी को शहजादा कहने पर भी कांग्रेस नेता ने प्रतिक्रिया दी है। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, भाजपा नेता विकास पर वोट मांगने के बजाय, कांग्रेस नेताओं के बयानों को तोड़ मरोड़ कर पेश कर रहे हैं और राहुल गांधी को शहजादा कह रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, तीन चरणों के बाद पीएम मोदी और शाह साहब (अमित शाह) चिंतित थे।

उन्होंने अपने घोषणापत्र के बारे में बात करना बंद कर दिया। वे केवल कांग्रेस को गाली दे रहे हैं। हाल ही में पीएम मोदी ने कहा था कि चुनाव की घोषणा होने के बाद कांग्रेस ने अदाणी-अंबानी के बारे में बात करना बंद कर दिया। प्रधानमंत्री के इस बयान पर खरगे ने पलटवार किया। उन्होंने कहा, अगर पैसा टेम्पो में जा रहा है, तो क्या आप सिर्फ देखते रहेंगे? पैसा किसके घर से जा रहा है। आपकी सीबीआई और आयकर विभाग कहां है? खरगे ने आगे कहा, अगर आपको मालूम है, तो क्या आप सो रहे हैं? अदाणी-अंबानी जहां पैसा जा रहा है, उनका घर जब्त करो। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को एम से शुरू होने वाले शब्दों से लगाव है। जैसे कि मंगलसूत्र, मटन और मुगल। खरगे ने पीएम मोदी पर अशांति और जाति जनगणना के आधार पर समाज को बांटने का आरोप लगाया है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अब्बास अंसारी को नहीं मिली जमानत

» हाईकोर्ट ने ठुकराई दलील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में आरोपी विधायक अब्बास अंसारी की जमानत अर्जी खारिज कर दी। अंसारी ने ईडी द्वारा दर्ज कराए गए मामले में जमानत पर रिहा करने का आग्रह किया था। ईडी के केस में आरोप हैं कि अंसारी ने मनी लॉन्ड्रिंग के लिए दो फर्मों का इस्तेमाल किया।

जिसमें कथित जालसाजी, धोखाधड़ी, और फर्जीवाड़ा करके बड़ी रकम इधर से उधर की गई। इसमें काफी बड़ी राशि को अंसारी के खाते में जमा किया गया और निकाला गया। जिसका वह स्रोत नहीं बता सके। ईडी के अधिवक्ता ने इस दलील के साथ अंसारी की जमानत अर्जी का विरोध किया। उधर, आरोपी अंसारी की ओर से

अधिवक्ता ने दलील दी कि अंसारी का मेसर्स विकास कंस्ट्रक्संस फर्म से कोई प्रत्यक्ष या परोक्ष संबंध नहीं था। न ही उन्हें कथित अपराध की जानकारी थी। कहा कि कुछ रकम अंसारी के खाते में उनकी माता या चाचा के जरिए जमा की गई। जिसका इस्तेमाल प्रतियोगिता के लिए असलहे आयात करने में किया गया।

महिला कर्मचारी से अभद्रता पड़ी भारी

» नगर निगम ने तीन कर्मचारी किये निलंबित

» नगर आयुक्त के आदेश पर हुई कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम ने 3 कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। सभी लिपिक पद पर तैनात हैं। इन पर महिला कर्मचारी से बदतमीजी का आरोप है। नगर आयुक्त के आदेश पर कार्रवाई की गई। तीनों को शिवरी प्लांट में शिफ्ट कर दिया गया। महिला कर्मचारी ने एक दिन पहले अपने साथ ऑफिस में अभद्रता की शिकायत की थी। आयुक्त ने जांच के लिए 5 सदस्यीय टीम का गठन किया था। शुरुआती जांच में आरोप सही पाए गए। जिसके बाद निलंबन की कार्रवाई की गई। लखनऊ नगर निगम में संजय चंद्रा, शशि भूषण सिंह और महेंद्र भूषण लिपिक के पद पर हैं।

इनके साथ एक महिला कर्मचारी भी काम करती है। आरोप है कि गुरुवार को किसी बात को

लेकर महिला की तीनों कर्मचारियों से कहासुनी हो गई।तीनों ने उसके साथ गाली गलौच किया और बुरा भला कहा। महिला ने लिखित शिकायत आयुक्त से की। जांच कराने पर मामला सही पाया गया।

कार्यालय में बेहोश हो गई महिला

जांच में पाया गया कि इस दौरान महिला बेहोश हो गई थी। अन्य कर्मचारी उसे लेकर अस्पताल भागे। इलाज के बाद उसे होश आया। अपर नगर आयुक्त पंकज सिंह जोनल अधिकारी रश्मि भारती की शुरुआती रिपोर्ट में मामला सही पाया गया। महिला की मानें तो आरोपी कर्मचारियों ने शिकायत वापस लेने का दवाब बनाया।बताया जा रहा है कि इसमें एक सस्पेंड बाबू संजय चंद्रा पहले भी आरोपों को घेरे में रहा है। देवा रोड पर द वुड्स अपार्टमेंट के लगभग 400 फ्लैट्स के हाउस टैक्स की फाइल उसने मनमानी तरीके से बनाई थी।

छोटे बच्चों के स्कूल के पास कूड़े का अंबार

नगर निगम जोन 8 के रजनी खंड सेक्टर 8 में स्वच्छ भारत मिशन की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। नगर निगम कार्यालय से लगभग 500 मीटर की दूरी पर जब यह हाल है तो आप समझ ही सकते हैं की ओर क्षेत्र का क्या हाल होगा। बताते चले की जहां यह गंदगी का अंबार लगा हुआ है उसके बगल में छोटे बच्चों का स्कूल भी चल रहा है। वहां के स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार कंप्लेंट करने के बावजूद अधिकारी कोई कार्रवाई नहीं करते हैं। रजनी खंड में कई मरीज भी इसी गंदगी के अंबार से बीमार भी पड़ गए हैं। नगर निगम स्वच्छ भारत मिशन की मिसाल दे रहा है। इन तस्वीरों को देखकर आपको साफ पता चल रहा है कि नगर निगम अपने क्षेत्र में कितना काम कर रहा है।

गिल-सुदर्शन के रनों के चक्र से चेन्नई चित

» शुभमन व साई के शतक से गुजरात की 35 रनों से बेहतरीन जीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। आईपीएल 2024 का 59वें मैच में गुजरात टाइटंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को 35 रन से मात दे दी। इस जीत के साथ जहां गुजरात टाइटंस की प्लेऑफ की उम्मीदें अब भी बरकरार है। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 231 रन बनाए जिसके जवाब में चेन्नई 8 विकेट खोकर 196 रन ही बना सकी। इस मैच में चन्नई की ओर से डेरिल मिचेल ने सबसे ज्यादा 63 रन बनाए जबकि गुजरात की तरफ से मोहित शर्मा ने तीन और राशिद ने दो विकेट झटके।

वहीं चेन्नई की शुरुआत खराब रही। टीम ने पावरप्ले के अंदर ही तीन विकेट गंवा दिए। रचिन (1), रहाणे (1) और कप्तान रुतुराज गायकवाड़ बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए। डेरिल मिचेल और मोईन के बीच चौथे विकेट के लिए 57 गेंद में 109 रन की साझेदारी हुई।

मिचेल 34 गेंद में 63 रन बनाकर आउट हुए। मोईन अली 36 गेंद में 56 रन बनाकर पवेलिय लौटे। शिवम दुबे ने 13 गेंद में 21, रविंद्र जडेजा 10 गेंद में 18 और सेंटनर बिना खाता खोले आउट हो गए। एमएस धोनी ने 11 गेंद में नाबाद 26 रन बनाए। इस हार के बाद भी चेन्नई सुपर किंग्स की टीम 12 मैच में 6 जीत और इतने ही हार के साथ पॉइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर बरकरार है।

सुपर किंग्स के लिए प्लेऑफ की राह हुई मुश्किल

वहीं चेन्नई की राह और मुश्किल हो गई है। इस हार के बाद भी चेन्नई सुपर किंग्स की टीम 12 मैच में 6 जीत और इतने ही हार के साथ पॉइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर बरकरार है। हालांकि, उसके लिए प्लेऑफ की राह मुश्किल हो गई है। क्योंकि दो और टीमों के पास इतने ही मैचों में 12 अंक हैं।

हालांकि, उसके लिए प्लेऑफ की राह मुश्किल हो गई है। क्योंकि दो और टीमों के पास इतने ही मैचों में 12 अंक हैं। वहीं गुजरात ने चेन्नई के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल और साई सुदर्शन के शतक की बदौलत 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 231 रन बनाए। साई सुदर्शन ने 103 और शुभमन गिल ने 104 रन बनाए।

बढ़ सकती हैं भाजपा सांसद बृजभूषण की मुश्किलें, चलेगा मुकदमा

महिला पहलवानों के यौन शोषण मामले में आरोप तय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष व कैसरगंज से बहुचर्चित भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर महिला पहलवानों के मामले में दिल्ली की एमपी-एमएलए कोर्ट ने आरोप तय कर दिये हैं। राउज एवेन्यू जिला न्यायालय में अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट प्रियंका राजपूत ने पांच महिला पहलवानों के आरोपों को सही पाते हुए डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह और सह-आरोपी सहायक सचिव विनोद तोमर पर आरोप गठित करने का आदेश दिया। दोनों आरोपियों को कोर्ट से जमानत पहले ही मिल चुकी है।

मामले की विवेचना के बाद दिल्ली पुलिस ने आईपीसी की धाराओं 354, 354-ए, 354-डी, 506(1) व 109 में चार्जशीट दाखिल की थी। बचाव पक्ष और अभियोजन की दलीलों के बाद कोर्ट ने चार्ज फ्रेमिंग का आदेश दिया है। आरोप तय होने से बृजभूषण शरण सिंह व विनोद तोमर पर मुकदमा चलने का रास्ता साफ हो गया है।

न्यायपालिका पर पूरा विश्वास है हमें न्याय मिलेगा : बृजभूषण

कोर्ट के द्वारा आरोप तय किए जाने के बाद बृजभूषण नें कहा कि ये न्यायिक प्रक्रिया है, इसका स्वागत है, पुलिस ने चार्जशीट लगाया था, हमने उसको प्रोसेस किया था। हमें न्याय मिलेगा। बृजभूषण ने कहा कि कोर्ट ने कुछ प्रकरण को हटाकर ज्यादा चीजों के साथ चार्जशीट को स्वीकार लिया, आगे अपनी बात हम कोर्ट में कहेंगे, हमे न्यापालिका पर पूरा विश्वास है, हमें न्याय मिलेगा।

ये धाराएं लगीं

आईपीसी की धारा 354

भारतीय दंड संहिता की धारा 354 के अनुसार, जो भी कोई किसी स्त्री की लज्जा भंग करने या यह जानते हुए कि ऐसा करने से वह कदाचित उसकी लज्जा भंग करेगा के आशय से उस स्त्री पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग करता है, तो वह इस धारा के तहत आरोपी बनाया जाएगा। धारा 354 के तहत दोषी करार गए शख्स को किसी एक अवधि के लिए कारावास की सजा हो सकती है, जो कम से कम एक वर्ष होगी। इस सजा को 5 साल तक बढ़ाया जा सकता है। साथ ही दोषी आर्थिक दंड के लिए भी उत्तरदायी होगा। यह एक गैर-जमानती और संज्ञेय अपराध है। जो किसी भी मजिस्ट्रेट द्वारा विचारणीय है। यह अपराध समझौता करने योग्य नहीं है।

आईपीसी की धारा 354डी

भारतीय दंड संहिता की धारा 354डी के तहत किसी महिला का अनुसरण करने और ऐसी महिला द्वारा अरुचि के साफ संकेत के बावजूद व्यक्तिगत संपर्क को बढ़ावा देने के लिए बार-बार ऐसी महिला से संपर्क करना या संपर्क करने की कोशिश करना। या किसी महिला द्वारा इंटरनेट, ईमेल या इलेक्ट्रॉनिक संचार के किसी अन्य रूप के इस्तेमाल की निगरानी करना, या उसका पीछा करना अपराध माना जाएगा।

सजा का ये है प्रावधान

ऐसे व्यक्ति को पहली बार दोषी ठहराए जाने पर किसी एक अवधि के लिए कारावास से दंडित किया जाएगा, जिसे तीन साल तक बढ़ाया जा सकता है। और उस पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है। और दूसरी बार दोषसिद्धि होने पर उसे किसी भी अवधि के लिए कारावास की सजा हो सकती है, जिसे पांच साल तक बढ़ाया जा सकता है और उस पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

रायबरेली का एमपी देश का प्रधानमंत्री बनने वाला है: पप्पू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के कांग्रेस नेता पप्पू यादव यूपी के रायबरेली पहुंचे हैं, जहां वो कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पक्ष में चुनाव प्रचार करेंगे। इस बात की जानाकरी शनिवार (11 मई) को उन्होंने खुद अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट कर दी है। दरअसल लोकसभा चुनाव को लेकर तमाम पार्टियां अपने पक्ष में वोट बटोरने के लिए इस शिद्दत की गर्मी में भी जी जान से जुटीं हैं।

कांग्रेस के चुनाव प्रचार में पप्पू यादव भी काफी एक्टिव हैं। पप्पू यादव ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि वो 44 साल रायबरेली आए हैं, रायबरेली का एमपी देश का प्रधानमंत्री बनने वाला है। इसे लेकर लोगों में काफी उत्साह है। पप्पू ने अपनी पोस्ट में लिखा, रायबरेली आ गया हूं, 44 साल बाद रायबरेली का एमपी देश का प्रधानमंत्री बनने वाला है। जबरदस्त उत्साह है। राहुल गांधी जी पांच लाख से भी अधिक वोटों के अंतर से जीतेंगे! कोई अचरज नहीं होगा अगर सारे रिकॉर्ड टूट जाएं! राहुल गांधी यूपी की रायबरेली सीट से चुनावी मैदान में हैं। उनका मुकाबला बीजेपी से दिनेश प्रताप सिंह से है।

झांसी: डीसीएम और कार की भीषण टक्कर, दूल्हे समेत चार जिंदा जले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

झांसी-कानपुर हाईवे पर हादसा

झांसी। देर रात झांसी कानपुर हाईवे पर थाना बड़ागांव के पारीछा ओवर ब्रिज पर हुए भीषण सड़क में बरात लेकर जा रही दूल्हे की कार को तेज रफ्तार डीसीएम ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में कार में आग लग गई। कार सवार दूल्हा, उसका सात साल का मासूम भतीजा समेत चार बारातियों की मौके पर जलकर दर्दनाक मौत हो गई।

कर में सवार दो लोगों को किसी तरह बचा लिया गया। दोनों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद परिवार में मातम मचा हुआ है। एरच थाना के बिलाटी गांव निवासी आकाश (23) बारात लेकर बड़ा गांव थाना के छापर गांव जा रहा था। उसकी कार में आकाश समेत उसका भाई भतीजा ईशु (7) एवं आशीष (20) समेत अन्य परिजन सवार थे। शुक्रवार रात करीब 12 बजे उनकी कार जैसे ही परीछा ओवर ब्रिज के पास पहुंची पीछे से आ रहे एक डीसीएम ने कार में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद कार में आग लग गई। सभी बाराती कर के अंदर फंस गए। कोई भी बाहर नहीं निकल पाया। दूल्हे की कार से कुछ दूर पर उनके अन्य परिजन भी थे। जब तक वह पहुंचे कार आग की लपटों में घिर गई थी। पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। पुलिस ने किसी तरह आग बुझा कर अंदर से लोगों को निकाला। तब तक आकाश उसके भाई ईशू, आशीष समेत कर ड्राइवर की मौत हो गई जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

फोटो: सुमित कुमार

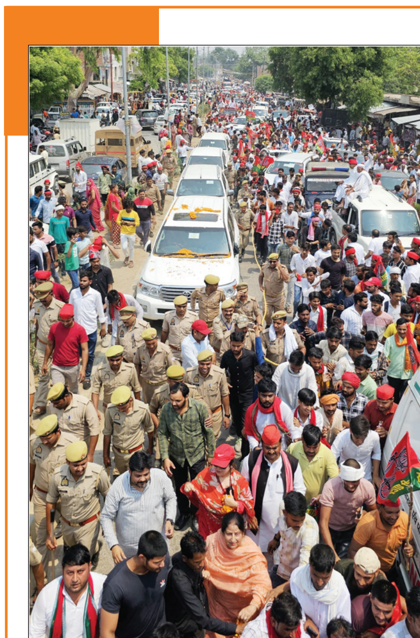

सपा प्रमुख के रोड शो में उमड़ा जन सैलाब

कन्नौज (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। चौथे चरण में कन्नौज सीट पर होने वाले चुनाव से पहले सपा प्रमुख ने रोड शो के माध्यम से जन संपर्क किया। इस रोड शो में अपार जन समूह उमड़ा। इस अवसर पर पूर्व सीएम ने कहा कि 2024 में समाजवादियों की सरकार बनेगी और बीजेपी की विदाई होगी। इससे पहले राहुल के साथ हुए संयुक्त रैली में सपा मुखिया ने कहा था कि पिछले तीन चरण में इंडिया गठबंधन के पक्ष में चली लहर से चौथे चरण में भाजपा का बैलेंस गड़बड़ा गया है। उसके बाद के चरणों में उसका सफाया हो जाएगा। उन्होंने जनता से अपील की कि वह बीजेपी के झांसे में आए बिना उनके खिलाफ वोट दें।

दर्दनाक हत्याकांड से दहल उठा सीतापुर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीतापुर। यूपी के सीतापुर जिले से सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां एक शख्स ने अपने परिवार के पांच लोगों की हत्या कर दी। इसके बाद खुद भी गोली मारकर जान दे दी। मृतक के भाई ने खुद को कमरे में बंद कर जान बचाई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, रामपुर मथुरा थाना इलाके के पल्हापुर गांव के रहने वाले अनुराग सिंह (45) ने शनिवार रात ढाई से तीन बजे अपनी मां सावित्री (62) और पत्नी प्रियंका सिंह (40) की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद बेटी अस्वी (12), अर्ना (8) और पुत्र आद्विक(4) को छत से नीचे फेंक दिया। फिर गोली मारकर खुद को उड़ा लिया। घर के सभी सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं बेटे आद्विक को ग्रामीण अस्पताल लेकर जा रहे थे, रास्ते मे उसने दम तोड़ दिया।

» मासूम बेटे-बेटियों समेत पांच लोगों की हत्या कर खुद की जान दी

सीओ महमूदाबाद दिनेश शुक्ला ने बताया कि युवक नशे का आदी था। परिवार वाले उसे नशा मुक्त केंद्र ले जाना चाहते थे, इसको लेकर रात में विवाद हुआ। इसके बाद यह घटना हुई। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है। रामपुर मथुरा थाना क्षेत्र में घर के पांच सदस्यों की हत्या कर खुद को गोली से उड़ाने वाले अनुराग सिंह का परिवार बेहद सम्पन्न है। परिवार लखनऊ में रहता था। अनुराग गांव में रहता था। शुक्रवार को ही पत्नी बच्चों को लेकर गांव आई थी। पत्नी प्रियंका लखनऊ स्थित एक बैंक में कार्यरत थी। इसके अलावा घर पर 100 बीघा से अधिक खेती थी। अनुराग बीएससी एग्रीकल्चर था तो खेती में रुचि थी।

युवक नशे का आदी था

भाई ने कमरे में बंद कर खुद को बचाया

मृतक अनुराग सिंह के भाई अजीत सिंह ने बताया कि रात ढाई से तीन बजे के बीच गोली चलने की आवाज सुनाई दी। जब वह अपने कमरे से बाहर आए तो खूनी मंजर देखा। इसके बाद अनुराग उन्हें भी मारने दौड़ा तो अजीत सिंह ने खुद को कमरे में बंद कर लिया। अगर वह ऐसा न करते तो अनुराग उन्हें भी मार देता।

बिहार में दो बच्चों के साथ पत्नी और सास को मार डाला

मधुबनी। मधुबनी में एक निर्दयी युवक ने अपनी पत्नी, सास और दो मासूम बच्चों की पीट-पीट कर हत्या कर दी। हत्यारे का यह रूप देखकर दो बच्चों ने कंबल में छिपकर अपनी जान बचाई। घटना झंझारपुर थाना क्षेत्र के सुखेत गांव की है। पुलिस हत्यारे को अब तक पकड़ नहीं सकी है। हत्या का आरोपी दरभंगा के सदतपुर थाना के अवाम गांव का निवासी बताया जाता है। हत्या के आरोपी का नाम पवन महतो है। पवन की पत्नी पिंकी अपने पति से झंझट के बाद कुछ महीनों से अपने मायके झंझारपुर के सुखेत गांव में रह रही थी। पति से उसका विवाद खत्म नहीं हुआ। शुक्रवार की रात पवन महतो किसी को साथ लेकर ससुराल पहुंचा था। यहां उसने सोयी अवस्था में अपनी सास प्रमिला देवी (59 वर्ष) और पत्नी पिंकी (26 वर्ष) के साथ चार साल की बेटी प्रिया और छह महीने की बेटी प्रीति को कुंच-कुंच कर मार डाला।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।